



निशाने पर सोना

नया एशियन रिकॉर्ड

कमलजीत-सुरुचि की 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में स्वर्णिम बाजी

आइची-नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में 25 सितंबर की सुबह भारत के लिए स्वर्णिम रही। शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में कमलजीत और सुरुचि की भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। यह खेलों में भारत का दूसरा स्वर्ण है। इससे पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। शूटिंग में यह भारत का पहला स्वर्ण पदक है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दबाव के बीच दोनों निशानेबाजों ने लगातार सटीक शॉट लगाए और 484.6 अंक के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया की जोड़ी ने 478.0 अंक के साथ रजत, जबकि ईरान ने 415.7 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। इंडोनेशिया चौथे स्थान पर रहा।

क़ालिफ़िकेशन में भी बनाया रिकॉर्ड- कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल से पहले क़ालिफ़िकेशन में भी अपना दबका कायम रखा था। भारतीय जोड़ी ने 597-29× का स्कोर बनाकर पहला स्थान हासिल किया और क़ालिफ़िकेशन में एशियन गेम्स रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में 484.6 अंक का स्कोर भी नया एशियन रिकॉर्ड रहा।

स्वर्ण अलग, रिकॉर्ड अलग उपलब्धि- भारतीय जोड़ी की उपलब्धि में दो अलग बातें दर्ज हुईं। स्वर्ण पदक जीतना प्रतियोगिता का पहलापन है, जबकि 484.6 अंक बनाना फाइनल का एशियन रिकॉर्ड है। इससे पहले फाइनल का एशियन रिकॉर्ड उज्बेकिस्तान के नाम था, जिसने फ़रवरी में 481.3 अंक बनाए थे। भारतीय जोड़ी ने इसे पीछे छोड़ दिया।

महदेव बेटिंग ऐप केस में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, दुर्बई से लौटते ही किंगपिन अभिषेक कुमार गिरफ्तार



हैदराबाद, एजेंसी। महदेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रमुख आरोपी और कथित किंगपिन अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया है। दुर्बई से भारत लौटते ही उसे हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से सीबीआई को तीन दिन की ट्रान्जिट रिमांड मिली। इसके बाद रायपुर की अदालत ने अभिषेक को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। जांच एजेंसी के मुताबिक, अभिषेक कुमार महदेव बुक के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का नेटवर्क संचालित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। वह अलग-अलग पैलन के बीच समन्वय करने और सट्टेबाजी से जुटाई गई रकम के संग्रह में भी शामिल था। एजेंसी का दावा है कि सट्टेबाजी से अर्जित धन से अभिषेक ने दुर्बई में अपल संपत्तियां खरीदी थीं। गिरफ्तारी के बाद की गई तलाशी में सीबीआई ने कई महत्वपूर्ण सामान और दस्तावेज जब्त किए हैं। एजेंसी के अनुसार, जब्त सामग्री में प्रथम दृष्टया मामले में उसकी भूमिका के संकेत मिले हैं।

ट्रंप-जिनपिंग की गर्मजोशी, तया सच में पिघलेंगे मतभेद?



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, तकनीक और राजनीतिक मुद्दों पर लंबे समय से जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की क्लइंट हाउस में मुलाकात के दौरान रिश्तों में गर्मजोशी दिखाई दी। राजकीय रतिभोज से पहले दोनों नेताओं ने अमेरिका-चीन संबंधों को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। हालांकि, इस सार्वजनिक गर्मजोशी के बावजूद दोनों देशों के बीच पुराने मतभेदों को कम करना अभी बड़ी चुनौती बनी हुई है। ट्रंप ने शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेन लियुआन का क्लइंट हाउस में स्वागत किया। इस दौरान ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप भी मौजूद रही। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन मले ही अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध कायम हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के नेता इस रिश्ते को ऐसी दिशा दे सकते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

शुमांक 9-3-8

भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

यशभारत

नये जमाने के साथ..

● वर्ष-12 अंक-262● भोपाल ● शुक्रवार , 25 सितम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद शुक्ल 13● विक्रम संवत् 2083

देशभर में आज गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

मुंबई में 25 हजार जवान तैनात

383 कृत्रिम कुंडों में होगा विसर्जन, हैदराबाद में ड्रोन-कैमरों से निगरानी

नई दिल्ली/मुंबई/हैदराबाद। गणेश उत्सव के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी पर शुक्रवार को देशभर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया। मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली, कानपुर समेत विभिन्न शहरों में विसर्जन और जुलूसों को लेकर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और जल स्रोतों पर सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है।देश के अन्य शहरों में भी श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन स्थलों तक ले जा रहे हैं।

मुंबई में विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संचालने के लिए



25 हजार से अधिक पुलिसकर्मों तैनात किए गए हैं। शहर में प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 383 कृत्रिम कुंड तैयार किए गए हैं। समुद्र तटों और प्रमुख विसर्जन स्थलों पर भी

पुलिसकर्मों सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालेंगे। शहर में निगरानी के लिए 24 ड्रोन और करीब 10 हजार सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हुसैन सागर झील के आसपास 100 अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। झील के किनारे क्रैन, आपातकालीन नौकाएं, गोताखोर और मेडिकल पोस्ट भी तैनात किए गए हैं। गणेश जुलूसों को देखते हुए कई मार्गों पर यातायात डायवर्जन और प्रतिबंध लागू रहेंगे। दिल्ली में सजे-धजे वाहनों में प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा है, जबकि कानपुर में श्रद्धालु गंगा बैराज पहुंच रहे हैं। प्रशासन ने जल स्रोतों में सुरक्षित विसर्जन और भीड़को नियंत्रित करने के लिए इंतजाम किए हैं।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा दो दशक बाद लौटी सरकारी बसें

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी - मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को विस्तार देने की दिशा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत सावजनिक यात्री बसों के संचालन का शुभारंभ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के बीएचईएल दशराह मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बसों को हरी झंडी दिखा किया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं रोजगार मंत्री नितिन गडकरी को प्रदेश में जारी नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स तथा अन्य सड़क परियोजनाओं से समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में अवगत कराया। इसके बाद भोपाल में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत सावजनिक यात्री बसों के संचालन का शुभारंभ किया गया।



पहले चरण में इंदौर में सबसे अधिक 145 बसें चलेंगी। इनमें 50 इंटरसिटी और 95 इंट्रासिटी बसें शामिल हैं। भोपाल में 106 बसों का संचालन होगा, जिनमें 23 इंटरसिटी और 83 इंट्रासिटी बसें रहेंगी। जबलपुर में 67 बसें शुरू की जाएंगी, जिसमें 14 इंटरसिटी और 53 इंट्रासिटी बसें शामिल हैं। इसके अलावा रीवा में 18, देवास में 10, कटनी में 3 और भिंड में 2 बसों का संचालन शुरू होगा। रीवा, देवास, कटनी और भिंड में

शुरुआती चरण में इंटरसिटी सेवाओं पर जोर दिया गया है। नई बस सेवा को सबसे बड़ी विशेषता इसमें सुरक्षा और निगरानी के लिए तकनीक का इस्तेमाल है। बसों में सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन और व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाए गए हैं। इससे महिलाओं, बच्चों और अन्य यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ किसी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी। बसों में पैसेंजर इनफॉर्मेशन

कुर्सी वही, सिर्फ बदला पदनाम, अब रिटायर्ड होने वालों को साधने की जुगत

अजय पांडे

यश भारत, भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रदेश शासन द्वारा प्रशासनिक तंत्र को खुश करने के नाम पर जुलाई में बांटे गए ‘प्रमोशन’ महज एक कागजी छलावा बनकर रह गए हैं। लगभग एक लाख अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति का तोहफा तो दिया गया, लेकिन हकीकत यह है कि न तो उनका कमा बदला, न मेज और न ही जिम्मेदारी। अफसर कल तक जिस कुर्सी पर बैठकर फाइलें निपटा रहे थे, आज भी उसी जगह जमे हुए हैं। बदलाव के नाम पर सिर्फ उनका ‘पदनाम’ बदला, जबकि वास्तविक पद स्थापना और लाभ का

इंतजार अब भी बरकरार है। इस आधे-अधूरे प्रमोशन के बाद अब सरकार रिटायरमेंट की मुहाने पर खड़े अधिकारियों-कर्मचारियों को साधने की नई कसरत में जुट गई है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे कर्मियों की डीपीसी (DPC) कराई जाए जिनका रिटायरमेंट 1 से 2 साल में होने वाला है। सवाल यह उठ रहा है कि जब पहला चरण ही कागजों तक सीमित रहा, तब नई कवायद से क्या हासिल होगा? पुराना दर्द दूर हुआ नहीं, और सरकार अब नई चुनचुनी थमाने की तैयारी में है।

पदोन्नतिक़ासच

■ प्रमोशन का कागजी आंकड़: जुलाई से अब तक तकरीबन 1 लाख अधिकारियों व कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जाई। ■ अब भी अटका भविष्य: करीब 50 हजार से अधिक कर्मचारियों का प्रमोशन किसी न किसी वजह से अब भी पेंडिंग। ■ शिष्टा विभाग सबसे पीछे: अकेले शिष्टा विभाग में लगभग 30 हजार शिष्टकों का प्रमोशन अटका हुआ है। ■ दूसरे चरण का दांव: जनवरी 2027 से दूसरा चरण शुरू करने की तैयारी, जिनमें 1-2 साल में रिटायर्ड होने वालों को प्राथमिकता का दावा।

ग़ज़ब की आकड़ें बाज़ी

■ नाम का प्रमोशन, काम वही: रोड-2 से डिप्टी सेक्रेटरी और ईई से सीई तक पदनाम तो बदले, लेकिन जिम्मेदारियों और कुर्सियों में कोई बदलाव नहीं आया। ■ जीएडी से 2 दिन में मांगे आंकड़े: शासन ने सामान्य प्रशासन विभाग से पूछा है कि किस विभाग में कितने प्रमोशन हुए और कितनों के रुके हैं। ■ कानूनी पैव का बहाना: 2016 से अटके प्रमोशन विवाद का स्थायी समाधान निकालने के बजाय केवल कामचलाऊ व्यवस्था बनाई गई।

एनालॉग उत्पादों को ‘पनीर’ बताकर बेचने पर लगेगी रोक

दूध से नहीं बने उत्पादों के नामकरण और लेबलिंग पर एफएसएसएआई का प्रस्ताव

नई दिल्ली, यशभारत। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एनालॉग उत्पादों के भ्रामक विपणन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) विनियम, 2011 में संशोधन का मसौदा प्रस्तावित किया है। इसके तहत दूध से प्राप्त घटकों से निर्मित नहीं होने वाले उत्पादों को ‘पनीर’ के रूप में प्रस्तुत करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) संशोधन विनियम, 2026 में मौजूदा विनियम 2.1.1 के तहत एक नया प्रावधान शामिल करने का प्रस्ताव है। इसमें विशेष रूप से ऐसे उत्पादों को शामिल किया गया है, जो दूध से प्राप्त घटकों से निर्मित नहीं हैं, लेकिन उन्हें पनीर के समान उत्पाद के रूप में बाजार में प्रस्तुत किया जाता है। एफएसएसएआई के प्रस्ताव के अनुसार, ‘डेयरी संदर्भ में एनालॉग’ श्रेणी के तहत पहले से लाइसेंस प्राप्त या पंजीकृत उत्पादों को अपने नामकरण, लेबलिंग और विपणन में ‘पनीर’ शब्द का इस्तेमाल बंद करना होगा।

सिविकम में लैंडस्लाइड से तबाही

गांव की ओर बहा पहाड़ का मलबा, कई घर क्षतिग्रस्त

गंगोटक, एजेंसी। सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पश्चिम सिक्किम के रिम्बी गांव में गुरुवार देर रात भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ। युक्सोम-ताशीांडिंग क्षेत्र में पहाड़ी का बड़ा हिस्सा खिसकने के बाद चट्टानें, मिट्टी और मलबा तेजी से गांव की ओर बहा। इसकी चपेट में आने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पहाड़ी से मलबे का तेज बहाव नीचे गांव की ओर आता दिखाई दे रहा है। हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भूस्खलन के बाद इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लगातार बारिश के कारण आसपास के अन्य घरों और सड़कों पर भी खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। स्थानीय स्तर पर नुकसान का आकलन और प्रभावित इलाकों में स्थिति की निगरानी की जा रही है।

पहले भी बह चुका है सड़क का हिस्सा

रिम्बी क्षेत्र में मानसून के दौरान भूस्खलन की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इससे पहले रिम्बी को खेचोपालरी से जोड़ने वाली सड़क का एक बड़ा हिस्सा मलबे और बारिश के कारण बह गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने मानसून से प्रभावित सड़कों और पुलों का राज्यव्यापी निरीक्षण शुरू किया था। अधिकारियों को क्षतिग्रस्त हिस्सों का आकलन कर यातायात और संपर्क व्यवस्था जल्द बहाल करने के निर्देश दिए गए थे। सड़क एवं पुल मंत्री एनबी देहाल ने युक्सोम-ताशीांडिंग क्षेत्र में रिम्बी और आसपास के क्षतिग्रस्त हिस्सों का निरीक्षण किया था। उन्होंने सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए मरम्मत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों और ठेकेदारों को भी प्रभावित सड़क हिस्सों की मरम्मत जल्द शुरू करने तथा यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया था। ताजा भूस्खलन ने एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के दौरान सड़क संपर्क और आबादी की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन की प्राथमिकता प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही मलबा हटकर संपर्क मार्गों को सुरक्षित करना है।



सिस्टम भी लगाया गया है, जिससे यात्रियों को यात्रा और बस संचालन से संबंधित जरूरी जानकारी मिल सकेगी। बसों के संचालन की निगरानी के लिए इंटीलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम यानी आईटीएमएस का इस्तेमाल किया जाएगा। कमांड सेंटर से बसों की लोकेशन, रुट, संचालन और समयबद्धता पर नजर रखी जाएगी। इससे यह भी पता लगाया जा सकेगा कि बस निर्धारित मार्ग पर चल रही है या नहीं। पैनिक बटन सक्रिय होने की स्थिति में संबंधित बस की लोकेशन तत्काल सामने आने से आपातकालीन सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी। सरकार ने सेवा को केवल 351 बसों तक सीमित नहीं रखा है।

छात्रावास में तीन जूनियर छात्रों से बर्बरता का आरोप, बेल्ट से पीटा, हाथों पर रखे अंगारे

मंडला, यशभारत। मंडला जिले के पाटा सिहोरा स्थित राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह शासकीय सीनियर एवं जूनियर बालक छात्रावास में जूनियर छात्रों के साथ कथित बर्बरता का मामला सामने आया है। आरोप है कि सीनियर छात्रावास के कुछ छात्रों ने चोरी के शक में जूनियर छात्रावास के तीन बच्चों को रात में सोते समय उठाया और उनके साथ मारपीट की। बच्चों के अनुसार, पहले उनसे पैसे चोरी करने के बारे में पूछताछ की गई और इसके बाद बेल्ट से पीटा गया। आरोप है कि प्रताड़ना यहीं नहीं रुकी और बच्चों के हाथों पर कथित तौर पर अंगारे रख दिए गए। इससे उनके हाथ झुलसने और छाले पड़ने की बात सामने आई है।



बताया गया कि बच्चों से कहा गया कि जिसने चोरी नहीं की होगी, उसके हाथ नहीं जलेंगे। इसके बाद कथित तौर पर उनके हाथों पर अंगारे रखे गए। घटना के बाद बच्चों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन छात्रावास पहुंचे और बच्चों के साथ हुई कथित घटना को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने छात्रावास में बच्चों की सुरक्षा, निगरानी और अधीक्षक की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए। मामले की जानकारी मिलने के बाद पिंडरई पुलिस और सहायक आयुक्त कार्यालय की ओर से जांच शुरू की गई है। घटना के सामने आने के बाद छात्रावास की निगरानी व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। खासतौर पर यह सवाल उठ रहा है कि रात में जूनियर छात्रों को छात्रावास से उठाकर उनके साथ कथित मारपीट और प्रताड़ना कैसे की गई और जिम्मेदार कर्मचारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई। जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी अरुण शुक्ला ने मामले को गंभीर बताते हुए त्वरित कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने बताया कि वे भोपाल में बैठक के लिए गए थे और लौटने के बाद मामले की पूरी जानकारी ली जा रही है। उनका कहना है कि जांच में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया

जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने उन्होंने छात्रावास का निरीक्षण किया था। उस समय सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास के अधीक्षक मौजूद थे, जबकि जूनियर बालक छात्रावास के अधीक्षक अवकाश पर थे। अधिकारी ने कहा कि विभाग ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया है। घटना गंभीर है, इसलिए जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ विभागीय नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और विभागीय स्तर पर जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चों के साथ वास्तव में क्या हुआ, घटना में कौन-कौन शामिल थे और छात्रावास प्रबंधन की इसमें क्या भूमिका रही।

इन्होंने कहा...

मैं बाहर भोपाल गया था जैसे ही मुझे घटना के सम्बन्ध पता चलने पर जांच के लिए कमेट्री गठित की है ।

अनिल उड्के, छात्रावास अधीक्षक

सिहोरा, जिला मंडला

सब्सिडी के बदले रिश्तत मांगना पड़ा भारी, दो विपणन अधिकारी निलंबित

सीहोर में 50-50 हजार तो रायसेन में 60 हजार रुपये मांगने की शिकायत, कृषि मंत्री के निर्देश पर कार्रवाई

भोपाल, यश भारत । सब्सिडी की राशि जारी करने के बदले वेयरहाउस संचालकों से कथित तौर पर रिश्तत मांगना कृषि विभाग के दो विपणन अधिकारियों को भारी पड़ गया। शिकायतें केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तक पहुंचने के बाद विभाग ने नीरज वर्मा और संदीप दीदावत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। दोनों अधिकारियों के खिलाफ विभागीय स्तर पर जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों से जुड़े दस्तावेज और शिकायतों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।



रायसेन में 60 हजार मांगने का आरोप

विपणन अधिकारी नीरज वर्मा पर सीहोर जिले के वेयरहाउस संचालकों से सब्सिडी की राशि जारी करने के एवज में 50-50 हजार रुपये मांगने का आरोप है। वेयरहाउस संचालकों ने आरोप लगाया कि राशि जारी करने की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की जा रही थी और भुगतान के लिए कथित तौर पर रकम की मांग की गई। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद विभाग ने प्रारंभिक जानकारी जुटाई और कार्रवाई की। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि सब्सिडी योजना के तहत पात्र वेयरहाउस संचालकों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद राशि जारी की जानी थी। हालांकि, कथित रिश्तत की मांग के कारण संचालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग अब यह भी जांच कर रहा है कि इस मामले में किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका तो नहीं थी।

दूसरे मामले में विपणन अधिकारी संदीप दीदावत पर रायसेन स्थित प्रकाश वेयरहाउस के संचालक से 60 हजार रुपये मांगने की शिकायत सामने आई। बताया गया कि निरीक्षण के दौरान सब्सिडी की राशि जारी करने के बदले रकम की मांग की गई थी। शिकायत के अनुसार, वेयरहाउस संचालक से भुगतान प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए कथित तौर पर 60 हजार रुपये मांगे

दो दिन में दूसरी बड़ी कार्रवाई

दोनों मामलों की शिकायत केंद्रीय कृषि मंत्री तक पहुंचने के बाद उनके निर्देश पर निलंबन की कार्रवाई की गई। खास बात यह है कि दो दिन पहले भी रिश्ततखोरी के मामले में विपणन अधिकारी अनुराग को निलंबित किया गया था। कम समय में सामने आए लगातार मामलों और कार्रवाई से कृषि विभाग में हलचल बढ़ गई है। लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद विभागीय कामकाज और अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। विभाग ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सब्सिडी और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े भुगतान में पारदर्शिता बरती जाए। किसी भी लाभार्थी या वेयरहाउस संचालक से अवैध राशि मांगने की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

गए। मामला सामने आने के बाद शिकायत केंद्रीय कृषि मंत्री तक पहुंची। इसके बाद विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। प्रारंभिक जांच में शिकायतों को गंभीर मानते हुए दोनों अधिकारियों को निलंबित किया गया है। विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आरोपों की पुष्टि होने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।



सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान ने सामने रखी एमपी के स्कूलों की जमीनी हकीकत

मेहरागांव स्कूल के तत्काल समाधान और प्रदेशभर में प्रोएक्टिव स्कूल ऑडिट की मांग

भोपाल, यश भारत। सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत गुरुवार को भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों की जमीनी स्थिति उनके दस्तावेजी साक्ष्य और समस्याओं के संभावित समाधान प्रस्तुत किए गए।

बल्कि समस्या की पहचान साक्ष्य जुटाने दस्तावेजीकरण और समाधान प्रस्तावित करने की प्रक्रिया विकसित करना है। इसी उद्देश्य से स्कूल ठीक करो अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है। इसके माध्यम से नागरिक अपने क्षेत्र के स्कूलों की समस्याओं की फोटो वीडियो और ऑडियो आदि के जरिए रिपोर्ट कर सकते हैं। आयोजकों के अनुसार प्लेटफॉर्म 22 भाषाओं में उपलब्ध है और इसका प्रदर्शन प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया गया।

दो प्रमुख मांगें रखीं

अभियान के तहत मेहरागांव स्कूल के लिए तत्काल सुरक्षित शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और स्कूल के पुनर्निर्माण अथवा स्थायी समाधान की प्रक्रिया स्पष्ट समय सीमा के साथ शुरू करने की मांग की गई। इसके अलावा प्रदेश के सभी प्राथमिक स्कूलों का प्रोएक्टिव इंफ्रस्ट्रक्चर ऑडिट कराने और सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए समयबद्ध कार्रवाई की मांग रखी गई। आयोजकों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य किसी एक स्कूल की समस्या तक सीमित नहीं है बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना है जिसमें नागरिक स्कूलों की समस्याओं की रिपोर्टिंग में भागीदार बनें और शासन समस्याओं के सामने आने का इंतजार करने के बजाय पहले से उनकी पहचान कर समाधान की दिशा में काम करे।

अभियान के तहत दमोह छतरपुर रायसेन नरसिंहपुर ग्वालियर भिंड बालाघाट सिवनी और भोपाल सहित विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों का ग्राउंड लेवल असेसमेंट किया गया। इस दौरान स्कूलों के भवन आधारभूत सुविधाओं विद्यार्थियों की संख्या और अन्य समस्याओं को फोटो, वीडियो सहित विभिन्न माध्यमों से दस्तावेजीकृत किया गया।

शिकायत तक सीमित नहीं, समाधान पर जोर

अभियान से जुड़े लोगों ने कहा कि इसका उद्देश्य केवल स्कूलों की समस्याओं को सामने रखना नहीं

मेहरागांव स्कूल को मॉडल के रूप में विकसित करने की पहल

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेहरागांव ग्राम पंचायत की सरपंच और सुकर्मा फउंडेशन की चेयर माया दीदी ने स्कूल की स्थिति और प्रस्तावित समाधान की जानकारी दी। उनके अनुसार उन्होंने करीब 35 वर्ष पहले इसी स्कूल में पढ़ाई की थी और पिछले दो तीन वर्षों से स्कूल की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास कर रही हैं। मामला नरसिंहपुर जिला प्रशासन से होते हुए भोपाल तक पहुंच चुका है। माया विश्वकर्मा ने मेहरागांव स्कूल को केवल भवन के रूप में नहीं बल्कि जनभागीदारी से विकसित होने वाले मॉडल स्कूल के रूप में तैयार करने की परिकल्पना रखी। इसमें पंचायत अधिभावक शिक्षक नागरिक और शासन की सहभागिता से शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। अभियान से जुड़े लोगों के मुताबिक माया विश्वकर्मा के नेतृत्व में पंचायत क्षेत्र में आरओफ्ल्टर प्लांट इंडोर स्टेडियम डिजिटल लाइब्रेरी और सीमेंट कंक्रीट सड़कों जैसे विकास कार्य भी किए गए हैं। इसी अनुभव के आधार पर स्कूल को स्थानीय सहयोग और जनभागीदारी का मॉडल बनाने की बात कही गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एपी सीआर की ओर से जुवेर भाई और उनकी टीम भी मौजूद रही।

त्योहारों में यात्रियों को राहत, तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे बड़े

भोपाल मंडल होकर चलेंगी अतिरिक्त ट्रेनें, अक्टूबर से नवंबर तक मिलेगा लाभ

भोपाल, यश भारत । त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले यात्री दबाव को देखते हुए रेलवे ने भोपाल मंडल होकर संचालित तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे फिर बढ़ा दिए हैं। इन ट्रेनों के विस्तारित फेरों से यात्रियों को अतिरिक्त आवागमन सुविधा मिलेगी। इंदौरझुसुबेदारगंज स्पेशल ट्रेन 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार और मंगलवार को चलेगी। वापसी में सुबेदारगंजइंदौर स्पेशल 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को संचालित



होगी। बांद्रा टर्मिनसडुबू वीरगंगा लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। वापसी में यह ट्रेन 1 अक्टूबर से 26 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को संचालित होगी। इसी तरह उधनाझुसुबेदारगंज स्पेशल 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को चलेगी। वापसी में प्रयागराजडुबूउधना स्पेशल 1 अक्टूबर से 29 नवंबर तक

प्रत्येक गुरुवार और रविवार को संचालित होगी। रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ट्रेनों के उद्घाटन, समय-सारणी और कोच संरचना की जानकारी रेलवे की अधिकृत वेबसाइट और रेलवन ऐप पर उपलब्ध है।

वर्ग 2 और वर्ग 3 अभ्यर्थियों के धरने पर शिक्षा मंत्री का जवाब मंत्री बोले- लगातार अभ्यर्थियों से संवाद जारी, कानून में प्रावधान नहीं तो कैसे कर सकते हैं भर्ती

भोपाल यश भारत। वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थी शिक्षकों के धरने और भर्ती की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि अभ्यर्थियों और शिक्षकों से लगातार संवाद किया जा रहा है। अधिकारियों के स्तर पर भी उनसे बातचीत जारी है लेकिन जो प्रक्रिया कानून और नियमों के तहत संभव नहीं है उसे पूरा नहीं किया जा सकता। मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई बच्चा अपने पिता से कहें कि उसे एयरप्लेन चाहिए तो एयरप्लेन घर नहीं आ सकता उसके लिए टिकट लेकर यात्रा करनी होगी। इसी तरह भर्ती की प्रक्रिया में भी निर्धारित नियमों और समय सीमा का पालन करना होता है। उन्होंने कहा कि संबंधित भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

पुराने पदों पर तीन साल बाद भर्ती बढ़ाने का सवाल

शिक्षा मंत्री ने कहा कि अब नए अभ्यर्थी पुराने अभ्यर्थियों के साथ इंतजार कर रहे हैं कि भर्ती नहीं निकलेगी और वे उसमें शामिल होकर नौकरी हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व में 2 हजार पदों के लिए विज्ञप्ति जारी हुई भर्ती प्रक्रिया पूरी हुई और वेटिंग लिस्ट भी बनी। ऐसे में तीन साल बाद उन्हीं पदों की संख्या को किस आधार पर बढ़ाया जा सकता है। मंत्री ने इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के प्रावधानों का भी हवाला दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चीज नहीं हो सकती वह नहीं हो सकती। कानून में जिस चीज का प्रावधान नहीं है उसे सरकार कैसे कर सकती है।

विपक्ष के समर्थन पर मंत्री का जवाब

वर्ग-2 और वर्ग-3 के अभ्यर्थी शिक्षकों के समर्थन में विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह वरिष्ठ नेता हैं और वे उनका सम्मान करते हैं। मंत्री के मुताबिक बातचीत के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा था कि सरकार सस्ते शिक्षकों को लगा रही है इसलिए भर्ती नहीं करना चाहती। मंत्री ने कहा कि वे विनम्रता से यह कहना चाहते हैं कि पहले अतिथि शिक्षकों को बहुत कम मानदेय पर रखा जाता था जबकि आज अतिथि शिक्षकों को 15 से 20 हजार रुपये तक दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण भी दिया जा रहा है।

भूख हड़ताल कर रहे अभ्यर्थी पर भी बोले मंत्री

जब पत्रकार ने पिछले 12-13 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे एक अभ्यर्थी को लेकर सवाल किया तो मंत्री ने कहा कि अधिकारी लगातार उससे बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार संवाद के लिए तैयार है लेकिन कानून में जिस चीज का प्रावधान नहीं है उसे लागू करना संभव नहीं है।

उच्चदाब उपभोक्ताओं की सेवाएं अब एक विलक पर बिल भुगतान से शिकायत और प्रमाण पत्र डाउनलोड तक, एक ही मंच पर मिलेगी सुविधा

भोपाल, यश भारत। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उच्चदाब उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए एकल लॉगिन सेवा शुरू की है। इसके तहत उपभोक्ता एक ही डिजिटल मंच के माध्यम से बिल भुगतान सहित विभिन्न विद्युत सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए कंपनी ने उच्चदाब उपभोक्ता एकल लॉगिन एवं सेवा पोर्टल विकसित किया है। इस सुविधा के जरिए उपभोक्ता एक ही लॉगिन पहचान या पंजीकृत मोबाइल नंबर और पासवर्ड से पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। उपभोक्ताओं को बिल भुगतान भुगतान की रसीद तथा पिछले 12 माह के बिल और भुगतान संबंधी विवरण डाउनलोड करने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही हरित ऊर्जा प्रमाण पत्र फॉर्म 16 टीडीएस प्रमाण पत्र और मीटर रीडिंग का विवरण भी ऑनलाइन डाउनलोड किया जा सकेगा। उपभोक्ता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के अलावा नया मोबाइल नंबर जोड़ने और ई मेल पता अपडेट करने की सुविधा का भी उपयोग कर सकेंगे। बिल अथवा बिजली आपूर्ति से संबंधित शिकायतें भी अब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज की जा सकेंगी। इसके अलावा उच्चदाब कनेक्शन में स्वीकृत भार में परिवर्तन और नाम परिवर्तन जैसी सेवाओं के लिए भी ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा।

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 98 फायर कर्मी तैनात

भोपाल, यश भारत । अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नगर निगम ने शहर के सात प्रमुख घाटों पर व्यापक इंतजाम किए हैं। यहां 13 क्रैन, 12 पोकलेन मशीनें, 184 गोताखोर और 98 फायरकर्मी तैनात किए गए हैं। घाटों पर जीवन रक्षक उपकरण और बचाव दल भी मौजूद हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के 29 प्रमुख स्थानों पर प्रतिमा संग्रहण केंद्र बनाए गए हैं। यहां से प्रतिमाओं को वाहनों के जरिए विसर्जन स्थलों तक पहुंचाया जा रहा है। घाटों और चल समारोह मार्गों पर 1665 एलईडी फ्लड लाइटें लगाई गई हैं। सभी घाटों पर नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने अधिकारियों को विसर्जन पूरा होने तक सुरक्षा, सफाई और अन्य व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

न्यू मार्केट से लालघाटी तक चला अभियान तीन ठेले जख्त

भोपाल, यश भारत । नगर निगम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर ठेले, गुमटियां, पान पालर, काउंटर, बोर्ड और दुकानों के बाहर रखा सामान हटाया। कार्रवाई सूरज नगर, न्यू मार्केट, एमपी नगर, अशोका गार्डन, शाहजहांनाबाद, छोला, लालघाटी, कोलार सहित कई क्षेत्रों में की गई। लालघाटी से एक फस्ट फूड गाड़ी, अशोका गार्डन से दो लोडिंग ऑटो और शाहजहांनाबाद से छह चार पहिया वाहन हटाए गए। छोला से भी दो वाहन हटाए गए। अमराई में नाली पर किया गया अतिक्रमण और अवधपुरी में सड़क पर रखी निर्माण सामग्री हटाई गई। कार्रवाई के दौरान तीन ठेले जख्त किए गए। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

मतदाता सूची में बदलावों पर कांग्रेस का सवाल पटवारी बोले जनता के सवालों का जवाब देना होगा



28 सितंबर को भोपाल में राज्य निर्वाचन आयोग का घेराव, 29 को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन

भोपाल, यश भारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस निर्णायक आंदोलन करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले करीब दो वर्षों से राहुल गांधी लोकतंत्र मतदाता अधिकार और वोट चोरी से जुड़े सवाल उठा रहे हैं। पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में हुए बदलावों का विधानसभा और बुधवार विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। पटवारी के अनुसार दिसंबर 2025 की ड्राफ्ट प्रक्रिया में 42,74,160 नामों से संबंधित जानकारी या फॉर्म उपलब्ध नहीं होने की बात

सामने आई थी। फरवरी 2026 की अंतिम सूची में 5,39,81,065 मतदाता दर्ज हुए और रिपोर्टेड आंकड़ों के मुताबिक 34,25,078 नाम हटाए गए। कांग्रेस का सवाल है कि हटाए गए नामों के कारण, सत्यापन प्रक्रिया और बाद में जोड़े गए नामों का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को यह जानने का अधिकार है कि उसका नाम सूची में है या नहीं और हटाया गया है तो उसका कारण क्या है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता मतदाता सूची की पारदर्शिता से जुड़े सवालों पर भी जवाब मांगा। पटवारी ने घोषणा की कि 28 सितंबर को भोपाल में राज्य निर्वाचन आयोग का घेराव और 29 सितंबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कलेक्टर कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच वास्तविक मतदाताओं के नाम पुनः जोड़ने और दोष सिद्ध होने पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

दिव्यांग चयनित प्राथमिक शिक्षकों ने नियुक्ति आदेश जारी करने की मांग की

भोपाल यश भारत । प्राथमिक शिक्षक भर्ती में चयनित दिव्यांग अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग, स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त को पत्र भेजकर नियुक्ति आदेश तत्काल जारी करने की मांग की है। अभ्यर्थियों ने नियुक्ति प्रिंर या में भेदभाव और दोबारा दिव्यांगता परीक्षण के नाम पर मानसिक एवं प्रशासनिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती में चयनित दिव्यांग अभ्यर्थियों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र और यूडीआईडी कार्ड समेत आवश्यक दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन पहले ही पूरा हो चुका है। उनके अनुसार, ये प्रमाण पत्र जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किए गए हैं और लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा भी सत्यापन करया जा चुका है। गैर-दिव्यांग अभ्यर्थियों के आदेश जारी, दिव्यांगों के रोके- पत्र में आरोप लगाया गया है कि इसी भर्ती प्रक्रिया में अन्य गैर-दिव्यांग अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए



गए हैं, जबकि दिव्यांग अभ्यर्थियों के आदेश रोक दिए गए हैं। अभ्यर्थियों ने यह भी दावा किया है कि इसी संयुक्त भर्ती प्रक्रिया के तहत आदिम जाति कल्याण विभाग में चयनित दिव्यांग अभ्यर्थियों को बिना अतिरिक्त दिव्यांगता परीक्षण के नियुक्ति दी गई है। उन्होंने इसे दोहरी नीति बताते हुए समानता के अधिकार से जोड़कर शिकायत दर्ज कराई है।

दोबारा जांच के लिए अस्पतालों के चक्कर

अभ्यर्थियों के अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा दिव्यांगता के पुनः परीक्षण के लिए उन्हें जय प्रकाश अस्पताल भेजा जा रहा है। वहां से कुछ अभ्यर्थियों को एम्स भोपाल और अन्य अस्पतालों में रेफ

कहा- सत्यापन पूरा होने के बावजूद रोके आदेश, दोबारा जांच के नाम पर मानसिक और आर्थिक परेशानी

किए जाने की बात कही गई है। पत्र में दावा किया गया है कि कई जगह जांच के लिए एक से तीन महीने तक का समय दिया जा रहा है या जांच उपकरण खराब होने की जानकारी दी जा रही है। इससे नियुक्ति प्रक्रिया में देरी हो रही है।

मानवाधिकार आयोग से हस्तक्षेप की मांग

अभ्यर्थियों ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (RPwD Act) और मानवाधिकारों का हवाला देते हुए कहा है कि बार-बार जांच के कारण उन्हें मानसिक तनाव, शारीरिक परेशानी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सुदूर जिलों से भोपाल आने-जाने में दिव्यांग अभ्यर्थियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अभ्यर्थियों ने मांग की है कि पुनः दिव्यांगता परीक्षण की प्रक्रिया में तत्काल शिथिलता दी जाए और चयनित सभी दिव्यांग अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश तत्काल जारी किए जाएं।

गणपति बप्पा मोरिया अगले वर्ष तू जल्दी आ

गणेश चतुर्थी से शुरू हुआ आस्था व उत्साह का पर्व आज अनंत चतुर्दशी पर गणपति बाप्पा की विदाई के साथ अपने भावपूर्ण पड़ाव पर पहुंच रहा है। दस दिनों तक घर-घर और सार्वजनिक मंडपों में विराजमान रहने वाले विघ्नहर्ता गणेश अब जल में विसर्जित होंगे। ढोल-ताशों की गुंज, ‘गणपति बाप्पा मोरिया’ के जयघोष और श्रद्धालुओं की नम आंखों के बीच होने वाली यह विदाई भारतीय दर्शन की एक गहरी अनुभूति है। गणपति का आगमन सगुण रूप में होता है। मिट्टी की प्रतिमा में हम ईश्वर का साकार स्वरूप देखते हैं। उसे सजाते हैं, पूजते हैं, आरती करते हैं, भोग लगाते हैं और अपनी इच्छाएं, चिंताएं तथा मन की पीड़ा उनके चरणों में रख देते हैं। कुछ दिनों के लिए वह हमारे घर और समाज के केंद्र में आ जाते हैं। लेकिन अनंत चतुर्दशी हमें यह भी सिखाती है कि साकार रूप अंततः निर्गुण में विलीन होता है। मिट्टी से बनी प्रतिमा मिट्टी में लौट जाती है, लेकिन उसके माध्यम से जागी आध्यात्मिक चेतना हमारे भीतर बनी रहती है। यही इस पर्व का सबसे बड़ा संदेश है कि रूप अवश्य बदलता है, आस्था नहीं। जीवन में सुख-दुख, सफलता-असफलता, मिलना-बिछड़ना और निर्माण-विनाश का क्रम चलता रहता है। गणपति की विदाई हमें परिवर्तन को स्वीकार करने और नए आगमन की आशा रखने का साहस देती है। गणेशोत्सव का एक और महत्वपूर्ण संदेश है संगठन और एकता। सार्वजनिक गणेशोत्सव ने समाज के अलग-अलग वर्गों को एक मंच पर आने का अवसर दिया। जाति, भाषा, क्षेत्र और आर्थिक स्थिति के भेद भूलकर लोग एक साथ आरती करते हैं, सेवा करते हैं और उत्सव मनाते हैं। कोई सजावट की जिम्मेदारी उठाता है, कोई व्यवस्था संभालता है, कोई प्रसाद बांटता है और कोई सामाजिक सेवा में योगदान देता है। यही सामूहिकता समाज को मजबूत बनाती है। आज मनुष्य अनेक प्रकार के विघ्नों से घिरा हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण, यातायात, बढ़ता तनाव, सामाजिक मतभेद, पारिवारिक चुनौतियां और बदलती तकनीक के बीच पैदा हो रही नई समस्याएं उसके सामने हैं। ऐसे समय में गणपति से केवल धन, सफलता और व्यक्तिगत सुख की कामना करना पर्याप्त नहीं। हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि हे विघ्नहर्ता, हमारे जीवन के विघ्न दूर करो, हमारे निर्णयों में विवेक दो, कठिन परिस्थितियों से लड़ने का साहस दो और हमें सही मार्ग पर चलने की शक्ति प्रदान करो। हमारे भीतर के अहंकार, स्वार्थ, क्रोध और द्वेष भी बड़े विघ्न हैं। यदि गणपति की आराधना के बाद भी ये हमारे भीतर बने रहें तो पूजा अधूरी है। सच्ची भक्ति वही है जो मनुष्य को बेहतर इंसान बनाए, उसे दूसरों के दुख को समझने और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा दे। आज जब समाज को जोड़ने वाली शक्तियों की आवश्यकता पहले से अधिक है, तब गणेशोत्सव हमें याद दिलाता है कि संगठन केवल भीड़ का नाम नहीं, अपितु एक उद्देश्य के लिए साथ खड़े होने की शक्ति है। जब व्यक्ति अपने छोटे-छोटे स्वार्थों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के हित के बारे में सोचता है, तभी एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है। आइए, अनंत चतुर्दशी पर गणपति बाप्पा को विदा करते हुए केवल अपने घर की खुशियों की प्रार्थना न करें। प्रार्थना करें कि हमारे समाज से भय, द्वेष, हिंसा और अविश्वास के विघ्न दूर हों। हर युवा को अवसर मिले, हर परिवार में सुख-शांति हो, किसान और श्रमिक सम्मान के साथ जीवन संकें, शिक्षा और स्वास्थ्य सबकी पहुंच में हों और देश की प्रगति का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। हे गणपति बाप्पा, भारत को ज्ञान, विज्ञान, उद्योग, कृषि, शिक्षा, संस्कृति और तकनीक के प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की शक्ति प्रदान करो। हमारा राष्ट्र मजबूत, आत्मनिर्भर, सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बने। दुनिया में भारत की पहचान केवल आर्थिक शक्ति के रूप के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, संस्कारों, ज्ञान और सद्भाव के देश के रूप में और मजबूत हो। गणपति बाप्पा की यह विदाई हमें सगुण से निर्गुण, व्यक्तिगत आस्था से सामाजिक चेतना और संगठन से राष्ट्रशक्ति की ओर ले जाए।

कड़वे वचन

आदमी जब अपनीलड़कीके लिए लड़का देखने जाता है तो पत्नी प्यत से कहती किदो बातों का ध्यान रखनाएक लड़का खाते पीते घर का हो। दो मगर खता पीता नहीं हो। दोनों बातों में बड़ा विरोधाभास है पर समझने वाला इसका मतलब समझता है। फिर पता नहीं क्यों लोग जिंदगी का मतलब नहीं समझते। अरे भाइ जीना है तो जीना (सीढ़ियां) तो चढ़ना ही पड़ेगा।

आज का राशिफल

पंचांग:- 25 सितंबर 2026

दिन- शुक्रवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष

विक्रम संवत् 2083

ज्योतिषाचार्य पीडित लोचन व्यास

मेघ

दिन खुशनुमा रहने वाला है किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है

वृष

पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है धैर्य के साथ आगे बढ़े

मिथुन

आज का दिन व्यापार के लिए कोई नई योजना बनाने के लिए है सफलता मिलेगी

कर्क

आज का दिन रचनात्मक कार्य करने में व्यतीत होने वाला है अपनी सुख सुविधाओं के सामान पर खर्च कर सकते हैं

सिंह

दिन बुद्धि व विवेक से निर्णय लेने के लिए रहने वाला है आत्मविश्वास में वृद्धि होगी

कन्या

विद्यार्थी वर्ग को अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है मानसिक तनाव को कम करने की कोशिश करें

तुला

निवेश करने से पहले अच्छी तरह सोच समझ ले बड़ों की सलाह को मानकर कार्य करें

धनु

दिल लाभदायक रहने वाला है मान सम्मान में वृद्धि होगी

मकर

अटका हुआ कार्य पूरे होने के संकेत दिखा रहे हैं मेहनत करें सफलता मिलेगी

कुंभ

दिन भर आलस महसूस कर करेगे कार्य पूरे होने में रुकावट आ सकती है

मीन

पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा दिन अच्छे व्यतीत करेंगे

विचार प्रवाह

रजत में चमका मीराबाई का सपना

मंच पर वजन उठाते हुए मीराबाई चानू के सामने केवल लोहे की छड़ नहीं थी। उस पर वर्षों की मेहनत, चोटों से लौटने का संघर्ष और एक ऐसा सपना रखा था, जो उनके शानदार करियर के बावजूद अधूरा था। बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारवर्ग की स्पर्धा में जब उन्होंने कुल 198 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक जीता, तो उनके खाने में एक और पदक जुड़ा। लेकिन इस पदक का अर्थ पदक तालिका की एक पंक्ति से कहीं बड़ा है। मीराबाई ने श्रैच में 87 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 111 किलोग्राम वजन उठाया। यह आंकड़ा उनकी उपलब्धि का सबसे सीधा परिचय है। मगर खेल की असली कहानी अक्सर आंकड़ों के बाहर लिखी जाती है। वह उन घंटों में लिखी जाती है, जब खिलाड़ी अकेले अभ्यास करता है; उन दिनों में जब चोट के कारण मैदान से बाहर रहना पड़ता है; और उन रातों में जब पिछली असफलता अगले प्रयास पर भारी पड़ती है। मीराबाई के लिए एशियाई खेलों का पदक ऐसा ही एक अधूरा अध्याय था। 2014 के एशियाई खेलों में वह नौवें स्थान पर रही थीं। 2018 में चोट ने उन्हें प्रतियोगिता से दूर कर दिया। 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में वह चौथे स्थान पर रहीं। वहां जांच की चोट ने उनके क्लीन एंड जर्क को भी प्रभावित किया। एक खिलाड़ी के लिए चौथा स्थान कभी-कभी सबसे कठिन स्थान होता है—पदक सामने दिखाई देता है, लेकिन हाथ नहीं आता।इस बार वह दूरी खत्म हुई। पदक जीतने के बाद मीराबाई ने कहा कि आखिरकार उन्होंने वह पदक जीत लिया, जिसका उन्हें कई वर्षों से इंतजार था। उन्होंने बताया कि जब से उन्होंने भारोत्तोलन शुरू किया था, तब से एशियाई खेलों का पदक उनका सपना था। आज सपना पूरा हुआ और उन्हें खुद पर गर्व है।

इन शब्दों को सुनते हुए शायद यह समझना जरूरी है कि बड़े खिलाड़ी के लिए भी हर उपलब्धि एक जैसी नहीं होती। ओलंपिक रजत पदक उनके पास है। विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण उनके नाम है। राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने कई स्वर्ण जीते हैं। फिर भी एशियाई खेलों का पदक उनके लिए जरूरी था। क्योंकि खेल में उपलब्धियों की सूची जितनी लंबी होती जाती है, अपूरै हिस्से उतने ही स्पष्ट दिखाई देते हैं।

यही खेल का विरोधाभास है। बाहर से देखने वाले के लिए खिलाड़ी पदकों का नाम बन जाता है। खिलाड़ी

के भीतर मगर हर पदक के पीछे एक अलग कहानी होती है।मीराबाई की कहानी में सफलता जितनी महत्वपूर्ण है, वापसी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। चोट से लौटना केवल शरीर को ठीक करना नहीं है। यह अपने ऊपर भरोसा फिर से खड़ा करना है। जब कोई खिलाड़ी एक बार असफल होता है तो अगली प्रतियोगिता में केवल प्रतिद्वंद्वी से मुकाबला नहीं करता, अपने पिछले परिणाम की स्मृति से भी लड़ता है। मीराबाई ने इस स्मृति को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। उनका रजत भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भारोत्तोलन में एशियाई खेलों का पिछला पदक 1998 के बैंकॉक खेलों में कर्णम मल्लेश्वरी ने जीता था। करीब तीन दशक के इस अंतराल के बाद भारतीय भारोत्तोलन को फिर एशियाई खेलों के मंच पर पदक मिला है। मीराबाई के रजत ने उस लंबे इंतजार को भी समाप्त किया। लेकिन यहां से एक दूसरा सवाल उठता है। क्या किसी एक खिलाड़ी की असाधारण क्षमता और इच्छाशक्ति को ही हमारी खेल व्यवस्था की सफलता मान लिया जाए?

पदक जीतने के बाद जश्न स्वाभाविक है। खिलाड़ी का सम्मान भी होना चाहिए। लेकिन पदक की चमक के पीछे जो व्यवस्था है, उस पर बात करना भी उतना ही जरूरी है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता, खेल विज्ञान, पोषण, चोट से बचाव, पुनर्वास, प्रशिक्षकों की उपलब्धता और प्रतिभा की पहचान—ये वे चीजें हैं जो किसी खिलाड़ी की सफलता के पीछे चुपचाप काम करती हैं।

हम अक्सर अंतिम क्षण देखते हैं। खिलाड़ी ने कितना

वजन उठाया, किसे हराया, कौन-सा पदक जीता—इनका हिसाब आसानी से लगाया जा सकता है। मगर यह हिसाब कौन रखता है कि उस पदक तक पहुंचने में कितनी बार खिलाड़ी को अपने शरीर की सीमा से आगे जाना पड़ा? कितनी बार उसे चोट से उबरना पड़ा? कितनी बार उसे अपने परिवार, अपने आर्थिक संसाधनों और भविष्य को लेकर अनिश्चितताओं के बीच अभ्यास करना पड़ा?

मीराबाई की सफलता इन सवालों को सामने लाती है।भारत में खेल का दायरा पिछले वर्षों में निश्चित रूप से बढ़ा है। गैर-क्रिकेट खेलों के खिलाड़ियों को भी पहचान मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की उपस्थिति बढ़ी है। लेकिन प्रतिभा को पदक में बदलने की प्रक्रिया अभी भी कई स्तरों पर निरंतर निवेश और संस्थागत समर्थन मांगती है। खासकर महिला खिलाड़ियों के लिए यह प्रश्न और महत्वपूर्ण है। खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं है। परिवार, सामाजिक अपेक्षाएं, सुरक्षा, शिक्षा और भविष्य की चिंता भी उनके रास्ते का हिस्सा होती हैं। जो खिलाड़ी इन सबके बीच आगे निकलती है, उसकी सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रहती। वह एक सामाजिक संदेश भी अनती है कि अक्सर मिलने पर लड़कियां किसी भी क्षेत्र में ऊंचाई हासिल कर सकती हैं।

मीराबाई की यात्रा इसी बात का उदाहरण है।उन्होंने ग्लासगो की अपनी पुगनी जीत को भी याद किया। वहां

सफलता के बाद उनकी आंखों में खुशी के आंसू थे।

दीनदयाल उपाध्याय : साधारण जीवन, असाधारण विचार

कुछ व्यक्तित्व अपने जीवन की लंबाई से नहीं बल्कि अपने विचारों की गहराई और कर्मों की व्यापकता से इतिहास में स्थान बनाते हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऐसे ही व्यक्तित्व थे। साधारण जीवन जीते हुए उन्होंने भारतीय राजनीति, समाज और अर्थचिंतन को भारतीय संस्कृति और परंपरा से जो?ने का प्रयास किया। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता का उदाहरण रहा। उनकी जयंती केवल एक राजनीतिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं बल्कि उनके विचारों और सार्वजनिक जीवन की भूमिका को समझने का अवसर भी है। 25 सितंबर 1916 को मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में जन्मे दीनदयाल उपाध्याय का बचपन कठिन परिस्थितियों में बीता। कम उम्र में ही उन्होंने माता-पिता को खो दिया और उनका पालन-पोषण रिश्तेदारों के संरक्षण में हुआ। कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ। वे प?ई में अत्यंत प्रतिभाशाली थे और विभिन्न स्तरों पर छात्रवृत्तियां प्राप्त करते रहे। पिलानी में शिक्षा के बाद उन्होंने कानपुर के सनातन धर्म कॉलेज में अध्ययन किया। 1937 में छात्र जीवन के दौरान उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से हुआ। आगे चलकर उन्होंने अपना जीवन पूर्णकालिक संगठनात्मक कार्य को समर्पित कर दिया। दीनदयाल उपाध्याय के लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं थी, वे इसे समाज और राष्ट्र की सेवा का साधन मानते थे। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना के समय वे उसके संगठन निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका में आए और आगे चलकर पार्टी के अखिल भारतीय महामंत्री बने। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद संगठन को मजबूत करने और देशभर में उसका विस्तार करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1967 में वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। उनकी सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक देन ‘एकात्म मानववाद’ मानी जाती है। उनका विचार था कि मनुष्य को केवल आर्थिक

आवश्यकताओं के आधार पर नहीं समझा जा सकता। मनुष्य शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप है और उसके जीवन में भौतिक प्रगति के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक है। इसी प्रकार व्यक्ति समाज से अलग नहीं है। व्यक्ति, समाज और राष्ट्र एक-दूसरे से जु? हुए हैं। इसलिए विकास का उद्देश्य केवल उत्पादन और आर्थिक आंक?ों को ब?ाना नहीं, मनुष्य और समाज के संतुलित विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक चिंतन भी इसी दृष्टि पर आधारित था। वे ऐसी अर्थव्यवस्था के समर्थक थे, जिसमें विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी विचार से जु?ा उनका ‘अंत्योदय’ का सिद्धांत आज भी उनके चिंतन की प्रमुख पहचान है। उनका मानना था कि किसी भी विकास व्यवस्था की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि समाज के सबसे कमजोर और अंतिम व्यक्ति के जीवन में कितना सुधार आया। इस दृष्टि से उनका चिंतन सामाजिक समावेशन और मानव-केंद्रित विकास की चर्चा में आज भी संदर्भित किया जाता है। दीनदयाल उपाध्याय केवल राजनेता और संगठनकर्ता ही नहीं, लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने लेखनी को सामाजिक समावेशन का माध्यम बनाया। उन्होंने ‘राष्ट्रधर्म’, ‘पाञ्चजन्य’ और ‘स्वदेश’ जैसे प्रकाशनों के माध्यम से राष्ट्र, समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति से जु?े विषयों पर लिखा। उनके लेखन में सरल भाषा के साथ वैचारिक स्पष्टता दिखाई देती थी। उनका ‘पॉलिटिकल डायरी’ स्वंभ भी चर्चित रहा। पत्रकारिता को लेकर वे तथ्यपरकता और जिम्मेदारी पर जोर देते थे। उपलब्ध सामग्री के अनुसार, वे समाचारों को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत करने के विरुद्ध थे और पत्रकार की जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण मानते थे। उनका व्यक्तिगत जीवन अत्यंत सादा था। उन्होंने अपना अधिकांश जीवन संगठन और सार्वजनिक कार्यों में लगाया। पर और प्रतिष्ठ के बावजूद उनका रहन-सहन सामान्य रहा। यही सादगी उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान बनी। उनके समर्थकों और सहयोगियों के संस्मरणों में उनके सहज व्यवहार, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के साथ निकट संबंधों का उल्लेख मिलता है। वे संगठन को केवल पदों और संरचनाओं से नहीं, समर्पित कार्यकर्ताओं के माध्यम से मजबूत करने में विश्वास रखते थे।

दीनदयाल उपाध्याय का जीवन बहुत लंबा नहीं था। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय रेलवे स्टेशन के निकट एक रेलवे डिब्बे के पास उनका शव मिला। उनकी मृत्यु की परिस्थितियों ने लंबे समय तक प्रश्न ख? किए और यह घटना भारतीय राजनीतिक इतिहास की चर्चित घटनाओं में शामिल रही। उस समय वे भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और उनके निधन से पार्टी को ब?ा झटका लगा। उनका राजनीतिक जीवन और दर्शन भारतीय राजनीति में लंबे समय तक चर्चा का विषय रहा है। उनके विचारों से सहमत और असहमत दोनों पक्षों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि उनके चिंतन को उसके मूल संदर्भ में समझा जाए। एकात्म मानववाद, अंत्योदय, विकेंद्रीकरण, स्वावलंबन, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र केंद्रित विकास उनके विचारों के प्रमुख पक्ष रहे। उनकी रचनाओं और भाषणों में राष्ट्र, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, लोकतंत्र और सामाजिक जीवन पर व्यापक चिंतन मिलता है। पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन इस बात का उदाहरण है कि सीमित साधनों और कठिन परिस्थितियों में भी कोई व्यक्ति अपने विचार, अनुशासन और कर्म के बल पर सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण प्रभाव छो? सकता है। उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के बजाय संगठन और सेवा से जो?ने पर बल दिया। उनका एकात्म मानववाद व्यक्ति और समाज के संबंधों को समग्र दृष्टि से देखने का प्रयास था जबकि अंत्योदय का विचार विकास के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता पर केंद्रित था।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों मे दिखी भारतीय सिनेमा की बहुभाषी और बहुरंगी तस्वीर

भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है,बल्कि यह भारत की बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और बहुरंगी सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज भी है। देश के अलग-अलग हिस्सों में बोली जाने वाली भाषाएँ, लोक परंपराएँ, सामाजिक संघर्ष,बदलते जीवन-मूल्य,आकांक्षाएँ और सपने जब रुपहले पर्दे पर आते हैं तो वे केवल किसी एक प्रदेश की कहानी नहीं रह जाते, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक अनुभूति का हिस्सा बन जाते हैं। 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन इसी व्यापक भारतीय सिनेमाई चेतना को सामने लाने वाला अवसर बना। गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाना अपने आप में इस समारोह को एक अलग राष्ट्रीय अर्थ देता है।राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का महत्व केवल पुरस्कार पाने वाले कलाकारों और फिल्मों तक सीमित नहीं है। यह भारतीय सिनेमा की उस रचनात्मक यात्रा का सम्मान है, जिसमें देश की अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के फिल्मकार अपने-अपने समाज की कहानियों को राष्ट्रीय मंच तक लेकर आते हैं। इस बार भी लगभग 400 फीचर फिल्मों ने 34 भाषाओं में और 161 गैर-फीचर फिल्मों ने 24 भाषाओं में पुरस्कारों के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की। इनमें से 22 फीचर फिल्मों और 23 गैर- फीचर फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

यह संख्या बताती है कि भारतीय सिनेमा का विस्तार किसी एक भाषा, प्रदेश या शैली तक सीमित नहीं है।इस समारोह का सबसे भावपूर्ण क्षण दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से अभिनेता अनंत नाग को सम्मानित किया जाना रहा। वर्ष 2024 के दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित अनंत नाग ने अपने लंबे अभिनय जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए उस संघर्षपूर्ण यात्रा को याद किया, जिसने उन्हें रंगमंच से भारतीय सिनेमा तक पहुंचाया।आश्रम में बचपन बिताने से लेकर मुंबई पहुंचने और रंगमंच से जुड़ने तक का उनका सफर इस बात का प्रमाण है कि कला की दुनिया में बड़ी पहचान के पीछे वर्षों की साधना, संघर्ष और निरंतर सीखने की प्रक्रिया होती है। फिल्मों में आने से पहले लगभग 50 नाटकों में अभिनय का अनुभव उनके अभिनय जीवन की मजबूत बुनियाद बना। श्याम बेनेगल जैसे महत्वपूर्ण फिल्मकार के साथ काम करने के बाद उन्होंने कन्नड़ सिनेमा और बेंगलुरु को अपनी कर्मभूमि बनाया। पिछले वर्ष राष्ट्रपति द्वारा उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना भी उनके दीर्घकालिक योगदान की राष्ट्रीय स्वीकृति का प्रमाण है।अनंत नाग की यात्रा भारतीय सिनेमा के उस स्वरूप को सामने लाती है,जिसमें कलाकार केवल पर्दे पर दिखाई देने वाला चेहरा नहीं होता, बल्कि वह अपने समय, समाज और संस्कृति का संवाहक भी होता है। एक कलाकार का जीवन कई पीढ़ियों को प्रभावित करता है। इसलिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का यह आग्रह विशेष महत्व रखता है कि फिल्म जगत से जुड़े लोग स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दें और ऐसे पदार्थों के प्रचार से बचें जो समाज और विशेषकर युवाओं के लिए हानिकारक हो सकते हैं। कलाकारों की लोकप्रियता उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी भी प्रदान करती है। युवा पीढ़ी अपने पसंदीदा कलाकारों के व्यवहार और संदेश से प्रभावित होती है। ऐसे में सिनेमा की सामाजिक भूमिका पर्दे से बाहर भी दिखाई देती है।राष्ट्रपति ने भारतीय सिनेमा को भारत की विविध भाषाओं, परंपराओं, आकांक्षाओं और संघर्षों का प्रतिबिंब बताते हुए रचनात्मक क्षेत्र में काम करने वाले छोटे कलाकारों, सहायकों और संघर्षरत कर्मियों की गरिमा तथा सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। यह पहलु अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी फिल्म की सफलता के पीछे केवल अभिनेता, निर्देशक या निर्माता नहीं होते। पर्दे के पीछे काम करने वाले असंख्य तकनीशियन, सहायक कलाकार, लेखक, संपादक, कैमरामैन,मेकअप कलाकार और अन्य कर्मियों का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए इस पूरे तंत्र को सम्मान और सुरक्षा देना आवश्यक है। महिलाओं की सभी निर्णायक मंडलियों में भागीदारी बढ़ाने का संदेश भी सिनेमा के बदलते स्वरूप और अधिक समावेशी रचनात्मक व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत है। एकता नगर में आयोजित यह समारोह अपने स्थान के कारण भी विशेष रहा। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने दिल्ली से बाहर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह आयोजित करने की परंपरा को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ा। एकता नगर स्वयं उस राष्ट्रीय एकता की स्मृति से जुड़ा स्थान है, जहाँ लौह पुरुष सरदार पटेल की विराट प्रतिमा देश की एकजुटता का संदेश देती है। ऐसे स्थान पर भारतीय सिनेमा का राष्ट्रीय सम्मान समारोह आयोजित होना इस तथ्य को रेखांकित करता है कि संस्कृति और सिनेमा भी देश को जोड़ने वाली शक्तियाँ हैं।इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सिनेमा को समाज का प्रतिबिंब और संस्कृति का वाहक बताते हुए कहा कि यह मानवीय भावनाओं को व्यक्त करने के साथ भारत की वैश्विक पहचान और सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। आज भारतीय फिल्में केवल देश के दर्शकों तक सीमित नहीं हैं। भारतीय कथानक, संगीत, अभिनय और सांस्कृतिक संवेदनाएँ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दर्शकों तक पहुंच रही हैं। यही कारण है कि सिनेमा अब मनोरंजन उद्योग के साथ-साथ सांस्कृतिक कूटनीति और वैश्विक पहचान का महत्वपूर्ण माध्यम भी बन चुका है।इस वर्ष के पुरस्कारों में भारतीय सिनेमा की विविधता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मम्मूटी को ‘ब्रामयुगम’ और कार्तिक आर्यन को ‘चंद्र चैपियन’ के लिए संयुक्त रूप से दिया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार ‘आर्टिकल 370’ के लिए यामी गौतम को मिला। संजय मिश्रा को ‘भक्षक’ के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता तथा सचाना नामीदास को ‘महाराजा’ और रोमाश्री वकांडी को ‘मिथ्या’ के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। ‘आर्टिकल 370’ के सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला, जबकि रणवीर हुड्डा को ‘स्वातंत्र्य वीर समाकर’ के लिए निर्देशन की शुरुआत के लिए विशेष पहचान मिली। ‘कल्कि 2898 एडी’ को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म और ‘केप्टन मिस्टर’ को राष्ट्रीय, सामाजिक तथा पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के रूप में सम्मानित किया गया।

(लेखक-विनोद सिंह तकियावाला)

महुपानी में बाइक पर सवार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का सेवा-संकल्प !

हेमंत खंडेलवाल ने जन-जल सेवा यात्रा का किया आत्मीय स्वागत, कहा - यह सिर्फ यात्रा नहीं, बड़े मिशन पर निकले हैं यात्री, पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश ‘

यश भारत, बैतूल।बैतूल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से बड़नगर से वाराणसी तक निकाली जा रही जन जल सेवा संकल्प यात्रा क्रमांक 6 का गुरूवार शाम को बैतूल विधानसभा क्षेत्र के महुपानी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यात्रा के महुपानी पहुंचने पर खंडेलवाल ने यात्रियों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें बैतूल की प्राकृतिक, जनजातीय, कृषि एवं औद्योगिक विशेषताओं से परिचित कराया। इस दौरान यात्रियों के साथ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

साहसिक यात्रा में आप बड़े मिशन पर निकले हैं - खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रतिदिन 150 से 200 किलोमीटर मोटरसाइकिल से यात्रा करना और इसके बाद विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता करना अपने आप में साहस, सेवा और समर्पण का परिचायक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से यात्रा में शामिल सभी यात्री एक बड़े मिशन पर निकले हैं। यह यात्रा अलग-अलग क्षेत्रों, संस्कृतियों और वहां के लोगों से रूबरू होने का अवसर प्रदान कर रही है, जो सभी के लिए एक नया अनुभव है।

बैतूल के प्राकृतिक, भौगोलिक और जनजातीय वैभव से कराया परिचित

महुपानी में यात्रियों के संवाद के दौरान श्री खंडेलवाल ने यात्रियों को बैतूल जिले के प्राकृतिक, भौगोलिक, जनजातीय, कृषि और औद्योगिक विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा की गोद में बसे

‘बैतूल में ससुराल बना ससुराल नहीं, मौत का घर !



यश भारत, बैतूल।बैतूल गंज थाना क्षेत्र के कुम्हारटेक में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने ससुराल में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है।पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान गणेश पिता रमेश कासदे (उम्र 35 वर्ष) निवासी कोलगांव के रूप में हुई है। गणेश कुछ दिनों से अपनी ससुराल कुम्हारटेक गया हुआ था। मंगलवार की शाम को अपने अज्ञात कारण के चलते ससुराल में फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली।पूचना मिलते ही गंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को नीचे उतारा। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया।

पति-पत्नी के विवाद में आत्महत्या की आशंका

पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया पति-पत्नी के बीच विवाद के कारण आत्महत्या जैसा कदम उठाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि युवक ने आत्महत्या क्यों की, इसका सही कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही आत्महत्या का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। बुधवार को जिला अस्पताल में मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिरजों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।



बैतूल का बड़ा क्षेत्र वन संपदा से समृद्ध है। जिले में जनजातीय संस्कृति, पहाड़ी क्षेत्र, मध्यप्रदेश का पहला कंजर्वेशन फॉरेस्ट, वन्यजीव और जैव विविधता इसकी विशेष पहचान हैं। उन्होंने कुकुरू सहित जिले के पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों की विशेषताओं से भी परिचित कराया।

यात्रा के दौरान मिल रहा आत्मीय सहयोग

यात्रा प्रभारी जयदेव सोलंकी ने बताया कि बड़नगर से वाराणसी यात्रा क्रमांक-6 का मध्यप्रदेश में यह चौथा दिन है। मध्यप्रदेश में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से यात्रा को निरंतर सहयोग और आत्मीयता मिल रही है। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर संवाद के साथ सेवा गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की भावना के अनुरूप यात्रा के दौरान पौधारोपण किया जा रहा है तथा हनुमान चालीसा का पाठ भी किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सेवा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विक्रम वैद्य, सह प्रभारी अनिरुद्ध जी, महेश्वर सिंह पुरोहित, शुभम गुर्जर सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं यात्रीगण उपस्थित रहे।

आमला रेलवे कॉलोनी में 8 फीट के अजगर से हड़कंप

आधी रात को घर के दरवाजे पर दिखा विशालकाय अजगर! सर्पिभ्रम्र दिलीप चौकीकर ने किया रेस्क्यू, रहवासियों में दहशत - बोले, सफाई नहीं होने से उगी झाड़ियों में पनप रहे जहरीले जीव



घर के दरवाजे पर दिखा अजगर

प्रत्यक्षदर्शी किशोर सिंह ने बताया कि बीती रात रेलवे क्वार्टर के पास उनके घर के सामने वाले दरवाजे पर यह अजगर नजर आया। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु के दौरान

ट्रांसफॉर्मर के नाम पर आदिवासी किसानों से ठगे 9 लाख

यश भारत, बैतूल/भैंसदेही।भैंसदेही क्षेत्र में विद्युत ट्रांसफॉर्मर लगाने के नाम पर ग्रामीणों से लाखों रुपये की वसूली और रुपये लेने के बाद भी ट्रांसफॉर्मर चालू नहीं करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस ठगी से आक्रोशित चिखलाजोड़ी के ग्रामीणों ने आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राजू ठाकुर के नेतृत्व में भैंसदेही पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं थाना प्रभारी भैंसदेही को ज्ञापन सौंपकर ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि विद्युत ठेकेदार ने एनखेड़ी क्षेत्र में क्रेशर संचालक अमित कामसुंदर चाणपण से करीब 9 लाख रुपये सहित अन्य ग्रामीणों से भी अलग-अलग मोटी राशि ली है। शिकायत के अनुसार -भोगीलाल रामलाल धोटे से 3.60 लाख, रामचंद्र गोमा दहीकर से 2.20 लाख, भगवत राव मनु बारस्कर से 2.25 लाख, राजेश ज्ञाम सिंह से 2.40 लाख, संजय बराड़े से 1.70 लाख, हौरा गोमा से 80 हजार तथा केशवलाल रामू पांसे से 80 हजार रुपये की राशि ली जाने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि राशि लेने के बावजूद कई ट्रांसफॉर्मर आज तक



चालू नहीं हुए हैं।ग्रामीणों ने पुलिस से पूरे मामले की जांचकर दोषियों पर कार्रवाई एवं राशि वापस कराने और बंद पड़े ट्रांसफॉर्मरों को शीघ्र चालू कराने की मांग की है। आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम ने कहा कि विद्युत ठेकेदार रवि भाटे उत्तराखंड एवं सुपरवाइजर उमराव उइके ग्राम माथनी तहसील बैतूल की भूमिका की भी जांच हो और उनकी कंपनी को ब्लैक लिस्टेड किया जाए। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पंकज राजू ठाकुर ने कहा कि किसानों के साथ ठगी करने वाले ठेकेदार पर मामला दर्ज किया जाए एवं किसानों को उनकी राशि वापस दिलाई जाए।ज्ञापन देते समय युवा कांग्रेस पूर्व जिला

अध्यक्ष राहुल छत्रपाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मोहर, मंडलम अध्यक्ष मोहित राठौर, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष महेश थोटेकर, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष निखिल सोनी, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष आरिफ खान, कांग्रेस अनुसूचित जाति जिला उपाध्यक्ष सुभाष मोहरे, पूर्व सरपंच गोरेलाल परते, शोभेय पठान, निखिल देशमुख, मयूर बारस्कर, प्रिंस ठाकुर, पीडित किसान हीराजी बारस्कर, विजय धोटे, रामचंद्र दहीकर, भोगीलाल धोटे, हीराचंद बारस्कर, संजय बराड़े, गुनु धोटे, संजू बारस्कर, शंकर धोटे, नीलेश कांडे, राजेश धुवे सहित किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज नम आंखों से बप्पा को विदा करेगा पूरा बैतूल जिला !

यश भारत, बैतूल।बैतूल 12 दिनों तक घर-आंगन और सार्वजनिक पंडालों में रौनक बिखेरने वाले विज्रहर्ता की आज पूरे बैतूल जिले में नम आंखों से विदाई होगी। अनंत चतुर्दशी पर शुक्रवार को शहर से लेकर गांव तक हर कोने से एक ही गूंज सुनाई देगी - गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ। बप्पा की अंतिम विदाई को भव्य, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए नगरपालिका और जिला प्रशासन ने कमर कस ली है।

नगरपालिका ने सुरक्षित विज्रर्जन के लिए शहर में चार स्थानों को अंतिम रूप दिया है - हमलापुर में माघना नदी, करबला घाट, चामारदेव और फिफ्टर प्लांट। इन सभी घाटों पर पर्याप्त रोशनी, साफ-सफाई और सुरक्षा के पुरख़ा इंतज़ाम किए गए हैं, ताकि रात में भी विसर्जन में कोई परेशानी न हो। बड़ी प्रतिमाओं के लिए हमलापुर और दामाजीपुरा में विशेष कूड़ तैयार किए गए हैं। क्रेन की मदद से प्रतिमाओं का विसर्जन कराया जाएगा। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हर घाट पर गोताखोरों की टीम और नगरपालिका का अमला तैनात रहेगा।

नगरपालिका स्वच्छता प्रभारी संतोष धनोरिया ने बताया कि करबला घाट पर पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा है, इसके बावजूद श्रद्धालुओं के लिए वैकल्पिक सुरक्षित व्यवस्था बनाई गई है। प्रशासन ने सभी गणेश मंडलों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे प्रतिमाओं का विसर्जन केवल निर्धारित घाटों पर ही करें। विसर्जन की तैयारियों का जायजा लेने गुरुवार को एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह और नगरपालिका अधिकारियों ने चारों घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को पूरी रात अलर्ट रहने, लाइटिंग और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

अनंत चतुर्दशी के चल समारोह को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस ने अभूतपूर्व तैयारी की है। शुक्रवार सुबह से ही शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और विसर्जन मार्गों पर करीब 400 पुलिस जवानों की तैनाती रहेगी। बैतूल पुलिस के साथ खंडवा से बुलाई गई एक बटालियन का अतिरिक्त बल भी मोर्चा संभालेगा। पुलिस फ़ितली गंभीर है, इसका अंदाज़ा इसी से लगता है कि गुरुवार को एसपी धीरेन्द्र जैन और एसपी कमला खपसे ने स्वयं पूरे जुलूस मार्ग का पैदल रिहर्सल किया। ड्रोन और सीसीटीवी से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी, वहीं लल्ही चौक पर सबसे ज्यादा फ़ोर्स तैनात रहेगी।

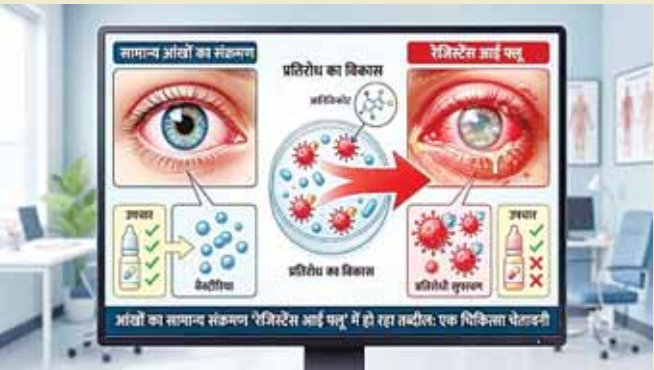
इंदौर

इंदौर में बढ़ा रैजिस्टेंस आई फ्लू का खतरा

बिना चिकित्सकीय सलाह दवा लेना पड़ रहा भारी, एमवाय की ओपीडी में 15 प्रतिशत मरीज प्रभावित

इंदौर, यश भारत। मौसम में बदलाव और मानसून की विदाई के साथ आंखों के संक्रमण के मामले बढ़ने लगे हैं। सामान्य आई फ्लू के बीच अब ऐसे मरीज भी अस्पताल पहुंच रहे हैं, जिनमें संक्रमण पर सामान्य दवाओं का असर कम हो रहा है। चिकित्सकों के अनुसार बिना चिकित्सकीय सलाह के खुद से दवाएं लेने की प्रवृत्ति इसके पीछे एक प्रमुख कारण हो सकती है। सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में आने वाले मरीजों में करीब 15 प्रतिशत मामले ऐसे सामने आ रहे हैं।

एमवाय अस्पताल के नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में रोजाना करीब 250 से 300 मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें कुछ मरीज ऐसे हैं, जो पहले स्वयं दवाएं लेकर इलाज कर चुके हैं। संक्रमण बढ़ने के



बाद अस्पताल पहुंचने पर सामान्य दवाओं से उपचार में अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। ऐसे मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में अलग-अलग दवाओं की आवश्यकता पड़ रही है और ठीक होने में 15 से 20 दिन तक का समय लग रहा है।

धूल और एलर्जी से भी बड़ी परेशानी

मौसम में बदलाव के साथ वातावरण में धूल बढ़ने से आंखों में एलर्जी की समस्या भी बढ़ रही है। आंखों में लालिमा, खुजली और जलन जैसी शिकायतों के साथ मरीज अस्पताल

पहुंच रहे हैं। नेत्र विशेषज्ञों के अनुसार बिना सलाह स्टैरायड वाली दवाओं का इस्तेमाल भी नुकसानदायक हो सकता है। लंबे समय तक या अनुचित तरीके से इनके उपयोग से मोतियाबिंद और कांचबिंद जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

डायबिटीज मरीजों में आंखों की समस्या

एमवाय अस्पताल की नेत्र ओपीडी में आने वाले मरीजों में बड़ी संख्या डायबिटीज से पीड़ित लोगों की भी है। विभाग के अनुसार करीब 60 प्रतिशत तक मरीज मधुमेह से संबंधित होते हैं। अनियंत्रित शुगर का असर आंखों के पर्दे पर पड़ सकता है। ऐसे मरीजों में पर्दे पर सूजन, उसके स्थान से खिसकने और रक्तस्राव जैसी जटिलताएं भी सामने आ रही हैं।

विदेश में भी गूंज रहा गणपति बप्पा मोरया

इंदौर की परंपराओं को हजारों किलोमीटर दूर भी निभा रहे शहरवासी

इंदौर, यश भारत। इंदौर की गलियों में गणेशोत्सव के दौरान गुंजते भजन, सजे पंडाल, अलग-अलग रूपों में विराजे गणपति और दर्शन के लिए उमड़ती भीड़ की याद विदेशों में बसे इंदौरियों को भी खूब आती है। हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद बप्पा के स्वागत की परंपरा उनके घरों और सामुदायिक आयोजनों में उसी श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है। कहीं 11 दिन तक घर में पूजा हो रही है तो कहीं सामूहिक पंडाल में बड़ी संख्या में भारतीय एक साथ गणेशोत्सव मना रहे हैं।

ब्राजील में बढ़ रहा गणेशोत्सव का दायारा- ब्राजील में रहने वाली ज्ञानश्री करहे बताती हैं कि वे 17 साल से वहां रह रही हैं। इस बार उनके घर 80 किलो की बर्जिनी धातु की गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। उनके अनुसार पहले ब्राजील में केवल दो परिवार दस दिन तक



गणेशजी की स्थापना करते थे, लेकिन इस बार दो और परिवार उत्सव से जुड़े। योग संस्थान में विद्यार्थियों और भारतीय मित्रों के साथ पूजा-आरती भी की गई। स्थानीय लोगों ने आयोजन में रुचि दिखाई और भारतीय परंपराओं को लेकर कई सवाल पूछे। विसर्जन के लिए यहां पहले अनुमति लेना

ज़रूरी होता है। समुदाय बस से नदी तक पहुंचता है और नाव के जरिए नदी के बीच जाकर मिट्टी की प्रतिमा का विसर्जन करता है। फूल-माला नदी में डालने की अनुमति नहीं है। दुबई में 1992 से जारी 11 दिन का उत्सव- दुबई में रहने वाले चंद्रशेखर भाटिया 1992 से हर वर्ष घर में 11 दिन गणेशजी की

स्थापना करते हैं। सुबह-शाम आरती और प्रसाद का आयोजन होता है। उनके अनुसार चाइनीज और फिलीपीन समुदाय के लोग भी दर्शन के लिए पहुंचते हैं। दुबई के बाजारों में गणेश प्रतिमाओं और पूजा सामग्री के लिए विशेष काउंटर भी लगाए जाते हैं। फ्रेंड्स ऑफ मध्य प्रदेश दुबई चैप्टर के सल्लव मनोज वर्गिस के अनुसार भारतीय त्योहारों को लेकर वहां रहने वाले भारतीयों में उत्साह रहता है। अमेरिका में 'रेडमंड राजा' के दर्शन। अमेरिका के रेडमंड में 2019 से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। मुंबई से लाई गई 15 फीट की प्रतिमा को 'रेडमंड राजा' नाम दिया गया है। रेडमंड डाउनटाउन पार्क में हुए आयोजन में करीब 20 हजार भारतीय-अमेरिकी शामिल हुए। करीब 150 कलाकारों ने डोल-ताशे बजाए।

कागजों में बने पॉलीहाउस, बैंक से निकलवा लिए 7.80 करोड़

33 ऋण प्रकरणों में फर्जी कार्यपूर्यता प्रमाणपत्र लगाने का आरोप

इंदौर, यश भारत। कागजों में पॉलीहाउस निर्माण दिखाकर बैंक से करोड़ों रुपये का भुगतान हासिल करने का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने बैंक ऑफ बड़ोदा की खरगोन शाखा से जुड़े 33 ऋण प्रकरणों में निजी फर्मों के साझेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच में करीब 7 करोड़ 80 लाख 85 हजार रुपये के ऋण और भुगतान से जुड़ी अनियमितताएं सामने आई हैं।

ईओडब्ल्यू एसपी रामेश्वर यादव के अनुसार एवीआईडी एग्रीकल्चर सायूल्शन प्राइवेट लिमिटेड को पांच पॉलीहाउस बनाने थे, लेकिन आरोप



है कि दो पॉलीहाउस का भी निर्माण नहीं किया गया। इसके बावजूद पांचों पॉलीहाउस के कूटरचित कार्यपूर्यता प्रमाणपत्र तैयार कर बैंक से भुगतान प्राप्त कर लिया गया। इसी तरह किसान एग्री को 20 पॉलीहाउस निर्माण का

काम दिया गया था। जांच में आरोप है कि बिना निर्माण कए सभी 20 पॉलीहाउस के कार्यपूर्यता प्रमाणपत्र तैयार किए गए और डेसीसी बैंकिंग चैनल के माध्यम से भुगतान प्राप्त कर लिया गया।

गणेश प्रतिमा विसर्जन निर्धारित स्थलों पर ही करें नर्मदा एवं अन्य जलस्रोतों में सीधे विसर्जन न करें

नर्मदापुरम (यश भारत)। जिले में गणेश उत्सव का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इसी र म में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने जिले के समस्त श्रद्धालुओं, गणेश उत्सव समितियों एवं नागरिकों को गणेश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुरक्षा एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।



विसर्जन जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जाए। प्रतिमाओं का विसर्जन केवल

प्रशासन द्वारा चिन्हित एवं निर्धारित विसर्जन स्थलों तथा विसर्जन कुंडों में ही करें। उन्होंने नागरिकों से विशेष रूप से अपील

की है कि मां नर्मदा सहित अन्य नदियों एवं तालाबों में प्रतिमाओं का सीधे विसर्जन न करें। गहरे पानी एवं तेज बहाव के कारण जलस्रोतों में सीधे विसर्जन के दौरान अप्रिय घटना या दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

सुरक्षा प्राथमिकता

कलेक्टर ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा चिन्हित विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इन स्थलों पर

गोताखोर, पुलिस बल, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।उन्होंने सभी श्रद्धालुओं एवं गणेश उत्सव समितियों से प्रशासन का सहयोग करने, निर्धारित विसर्जन स्थलों का उपयोग करने तथा पर्व के दौरान शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन कर नागरिक जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक होने का परिचय दें और गणेश उत्सव को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सहयोग करें।

वन अधिकार अधिनियम एवं जनजातीय कल्याणकारी योजनाओं को जाने ग्रामीण

नर्मदापुरम(यश भारत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनजाति कार्य विभाग द्वारा विकासखंड केसला में आदिवासी ग्रामीणों के साथ ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में सहायक आयुक्त, जनजाति कार्य विभाग नर्मदापुरम विवेक नागवंशी ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। ग्राम चौपाल के दौरान वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अंतर्गत व्यक्तिगत वन अधिकार तथा सामुदायिक वन संसाधन अधिकार से संबंधित प्रावधानों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर वन अधिकारों से जुड़े मामलों में आने वाली समस्याओं को समझा तथा उनके निराकरण के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। इस दौरान जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। अधिकारियों ने योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता एवं मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। चौपाल में विकासखंड शिक्षा अधिकारी हर्षित कौरव, अधीक्षक एवं विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सामाजिक कार्यकर्ता श्री फगराम ने भी ग्रामीणों की समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा तथा ग्रामीणों की ओर से आवश्यक



सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। अधिकारियों ने ग्रामीणों से कहा कि शासकीय योजनाओं एवं अधिकारों का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा।

डीपीसी ने विकासखंड के स्कूलों का किया आकस्मिक निरीक्षण



सांदीपानि में मर्ज होंगे ग्रामीण अंचल के कई विद्यालय

नर्मदापुरम(यश भारत)

कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा जिले के स्कूलों की सतत मॉनिटरिंग के संबंध में दिए गए निर्देशों के पालन में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) डॉ. राजेश जायसवाल ने सोहागपुर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम केवलारी, बोदी एवं लांघाबमोरी स्थित विद्यालयों में पहुंचकर शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में स्वच्छता, शैक्षणिक गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन, पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं की जांच की गई। अधिकारियों द्वारा विद्यालयों में उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर का भी परीक्षण

किया गया। ग्राम केवलारी के विद्यालय में दर्ज संख्या एवं विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति अत्यंत कम पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विद्यालय को सांदीपनि विद्यालय सोहागपुर में मर्ज किए जाने की प्रक्रिया के लिए बीआरसी को आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम बोदी के विद्यालय में विद्यार्थियों का शैक्षणिक स्तर अच्छा पाया गया। विद्यालय के शौचालय में स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर प्रधानाध्यापक को तीन दिवस के भीतर व्यवस्थाओं में सुधार कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा प्रारंभ किए गए +एक दान पितृ के नाम+ अभियान के अंतर्गत पितृपक्ष के दौरान आमजन को विद्यालयों के लिए दान हेतु प्रेरित करने के निर्देश भी दिए।

राष्ट्रीय शोबॉल चैम्पियनशिप में नर्मदा महाविद्यालय के तीन खिलाड़ियों का चयन



नर्मदापुरम । महाराष्ट्र के नासिक में 27 से 30 सितंबर तक आयोजित होने वाली 36वीं जुनियर नेशनल शोबॉल चैम्पियनशिप में प्रधानमंत्री उत्कृष्ट नर्मदा महाविद्यालय के तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। बालिका वर्ग में अशिका राजपूत तथा बालक वर्ग में अभिषेक टीकाम एवं शेख इजाज का चयन हुआ है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकुमार चौकसे ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए निरंतर अभ्यास कर खेल को भिलन की और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर गणित विभागाध्यक्ष डॉ. संजय चौधरी, खेल विभाग प्रभारी डॉ. महेश मानकर एवं खेल विभाग अधिकारी डॉ. नरेंद्र पांडे ने चयनित खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन



मंच संचालन डॉ. गजेन्द्र कुमार वाईकर द्वारा किया गया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं समाज निर्माण में स्वयंसेविकाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आकांक्षा पांडेय ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व एवं स्वयं सेविकाओं के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें समाज एवं राष्ट्रहित में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर मनोज कुमार प्रजापति ने अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्राओं को अनुशासन, सेवा भावना एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। धीरेन्द्र दुबे ने स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं विचारों पर प्रेरणादायी भाषण दिया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करते हुए युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण, राष्ट्रप्रेम एवं समाजसेवा की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में एनएसएस की स्वयं सेविकाओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। स्वयंसेविकाओं ने भाषण, नृत्य एवं कविता पाठ के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी बल दिया गया।कार्यक्रम के अंत में डॉ. मनीष दीक्षित द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

आंगनवाड़ी केन्द्र में मना पोषण आहार दिवस

इटारसी(यश भारत) शहर के वार्ड 13 गोपाल नगर आंगनवाड़ीकेन्द्र में सामूहिक रूप से राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया गया । जिसके अंतर्गत थीम के अनुसार आक्मा में बाल चौपाल एवं जन्म दिवस कार्यक्रम किया गया। वार्ड क्षेत्र की गर्भवती/धात्री महिलाओं को पोषण से संबंधित जरूरी समझाइए सुपरवाइजर मैडम राखी मौर्य द्वारा दी गई । कार्यक्रम में मुख्य रूप से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निर्मला कुशवाहा, सरिता सवाला ,वंदना पंडोरिया, पूजा महतवार , उर्मिला भगोरिया, सहित अन्य मौजूद थे।

पुराने आस्था के केंद्र तक पक्के मार्ग की दरकार प्रशासन की अनदेखी से श्रद्धालुओं परेशान



सोहागपुर(यश भारत)

तहसील मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर दूर ग्राम करनपुर स्थित सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल ‘आलम टेकरी शरीफ’ आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। दशकों पुराना यह आस्था का केंद्र विकास की बाट जोह रहा है,

जहां पहुंचने वाला मुख्य मार्ग बदहाली के आंसू रो रहा है।आलम टेकरी शरीफतक जाने वाला रास्ता दशकों से कच्चा पड़ा है। बारिश के दिनों में और आसपास के खेतों में सिंचाई के दौरान यह रास्ता गहरे कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाता है। निजी खेतों के बीच से होकर गुजरने वाले इस मार्ग पर पैदल चलना भी जोरिखम भरा साबित होता है। कई बार रास्ते पर विवाद और बंद होने की नौबत भी आ चुकी है, जिस पर पूर्व में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के स्थगन आदेश तक जारी किए जा चुके हैं।

हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है यह दरगाह- आलम टेकरी शरीफन केवल मुस्लिम समुदाय बल्कि हिंदू समाज की आस्था का भी बड़ा केंद्र है। मान्यता है कि यहां आने से प्रेत बाधा से मुक्ति मिलती है और म्रतों पूरी होती हैं। स्थल पर आलम शरीफके साथ गैब शाह वली की दरगाह, जावरा शरीफकी जरी मुबारक और पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे की याद में जरी मुबारक मौजूद हैं।

हर गुरुवार होती हैं भीड़- यहां हर गुरुवार को नर्मदापुरम जिले सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु जियारत के लिए पहुंचते हैं। विशेषकर मुहर्रम की 7वीं तारीख और चेहल्लुम (चालीसवें) के मौके पर हजारों जायरीनों का हजूम उमड़ता है। इसके बावजूद, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को दलदल भरे रास्ते से गुजरना पड़ता है। **पक्के मार्ग के निर्माण की उठी मांग-** स्थानीय नागरिकों और अकीदतमंदों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के चलते यह मार्ग आज तक पक्का नहीं बन सका। श्रद्धालुओं ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द पक्के रास्ते का निर्माण कराया जाए, ताकि जायरीनों को इस नारकीय स्थिति से निजात मिल सके।

रेलवे कॉलोनी में स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम/इटारसी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।अभियान के तहत रेलवे कॉलोनी में निवास करने वाले लोगों को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों एवं कॉलोनीवासियों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने वाले नारे लगाए तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।



रक्तदान कर युवाओं ने दिया मानवता की सेवा का संदेश

नर्मदापुरम(यश भारत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित गतिविधियों की श्रृंखला में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय महाविद्यालय डोलरिया एवं ग्राम शिवपुर में -रक्तदान महादान- शिविर आयोजित किए गए। विद्यार्थियों, युवाओं एवं आमजन में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग देना रहा। डोलरिया महाविद्यालय में 12 यूनिट तथा ग्राम शिवपुर में 8 यूनिट, कुल 20 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। शिविर के दौरान रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए बताया गया कि स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है।

विश्व हिंदू परिषद नर्मदापुर जिले का स्थापना दिवस समापन कार्यक्रम सम्पन्न

आजाद भारत में भी हमें अपने मान बिंदुओं की लड़ाई लड़नी पड़ी : अवधेश तिवारी

नर्मदापुरम। विश्व हिंदू परिषद नर्मदापुर जिले का स्थापना दिवस समापन कार्यक्रम रामजीबाबा प्रांगण में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम संतो के नेतृत्व में राम दरबार व भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंच पर अतिथि के रूप में बजरंग दल के पूर्व संयोजक हंस राय,गायत्री परिवार के उमेश सिंह,जिलाध्यक्ष डॉ सुभाष दुबे, जिला उपाध्यक्ष दीपक बिजलानी, नगर मंत्री सुरेंद्र साहू आदि की उपस्थिति रही। अध्यक्षता पुष्प संत अलखनंद गिरी महाराज व राहुल शर्मा ने की। संचालन जिला मंत्री चेतन सिंह राजपूत ने किया और आभार प्रदर्शन जिला संयोजक प्रदीप दायमा ने किया।



इसके पहले कार्यकर्ताओं ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता बजरंग दल के प्रांत संयोजक अवधेश तिवारी ने बताया

कि आजाद भारत में भी हमें अपने मान बिंदुओं की लड़ाई लड़नी पड़ी। कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी



नर्मदापुरम/सिवनीमालवा। सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालापाट संकुल में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ कर दीप प्रज्वलित किए गए। 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 18 विद्यार्थियों ने भाषण में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य शिवानी अमैया, चरण सिंह नागले ने किया। मंच संचालन मनोज गौर ने किया तथा समस्त मालापाट स्टॉफ्सदस्यों की सहभागिता रही। रामविलास साध, छात्रावास प्रभारी मनीषा उड्डके, मुख्य अतिथि मनीष गौर, नरेश जायसवाल, माखन लौवंशी, कृष्णकांत कुशवाहा,एसएमसी के अध्यक्ष सलीम शाह एवं समस्त स्टॉफ्सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे। स्कूल स्तर से भाषण प्रतियोगिता में साहित चोहान को शाला की ओर से सर्टिफिकेट व कप से सम्मनित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में सिमरन शाह, रंजना सोलंकी, चोहान मवास, कृष्णा कलमे, मनीषा कुशवाहा, राकेश कलमें को सर्टिफिकेट व प्रस्कार प्रदान किए गए। जिसमें मुख्य अतिथि राम कुमार सोनी,सुनील साध , रामविलास साध, ग्रामीण अंचल से आये सभी अविभावक व हार्ड स्कूल, माध्यमिक शाला से आये शिक्षक, शिक्षिका सभी का तिलक लगाकर पुष्प माला से स्वागत सम्मान किया।

संबोधित किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से अहिरवार समाज से ओमप्रकाश बड़गुजर, बाल्मीकि समाज से रितेश टांक, जिला उपाध्यक्ष पृथ्वीपाल सिंह, आलोक शर्मा,जिला सेवा प्रमुख नितिन मेषकर,जिला गोरक्षा प्रमुख कैलाश दायमा,जिला सुरक्षा प्रमुख पवन कीर,नगर उपाध्यक्ष प्रखर राज शर्मा,धीरेन्द्र चौकसे,ग्रामीण प्रखंड मंत्री कन्हैयालाल वर्मा,जिला प्रचार प्रसार प्रमुख अनुरुद्ध चंसीरिया, ग्रीतम राजपूत,निर्मल गौर,आकाश दायमा,विक्री तोमर,देवी सिंह दायमा,शिवम गौर,गौतम मालवीय,कपिल यादव,कुलदीप राजपूत एवं अन्य हिंदू समाज के लोगों की उपस्थिति रही।

भारत-वेस्टइंडीज वनडे सीरीज 27 सितंबर से



तिरुवनंतपुरम में जुटी टीम इंडिया, रोहित-विराट की वापसी से बढ़ा रोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर 2026 से शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित व्हाइट-बॉल सीरीज को लेकर टीम इंडिया का जमावड़ा तिरुवनंतपुरम में शुरू हो गया है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। वनडे टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की वापसी ने सीरीज के रोमांच को और बढ़ा दिया है।

गिल की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया- 27 वर्षीय शुभमन गिल भारतीय वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गिल के नेतृत्व का समर्थन किया है। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण देखने को मिलेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी से युवा कप्तान को मैदान के अंदर और बाहर महत्वपूर्ण अनुभव का साथ मिलेगा। रवींद्र जडेजा की भी 50 ओवर के प्रारूप में वापसी हुई है। ऐसे में भारतीय टीम की बल्लेबाजी और ऑलराउंड विकल्पों में अनुभव बढ़ेगा। **एशियन गेम्स के कारण टीम में हुआ बदलाव-** 2026 एशियन गेम्स के कारण भारतीय वनडे टीम में कुछ अहम बदलाव देखने को मिले हैं। श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल जैसे प्रमुख खिलाड़ी एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति में रतुराज गायकवाड़ और युवा खिलाड़ी आकिब नबी को टीम में अवसर मिला है। ह सीरीज युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह मजबूत करने का महत्वपूर्ण मौका भी होगी।

27 सितंबर को पहला वनडे

दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 27 सितंबर 2026 को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा वनडे 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा वनडे 3 अक्टूबर को नए चंडीगढ़ में होगा। वनडे सीरीज के बाद दोनों टीमों पांच मैचों की टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगी। टी20 मुकाबलों की शुरुआत 6 अक्टूबर से लखनऊ में होगी और आखिरी मैच 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा। **टीवी और मोबाइल पर ऐसे देख सकेंगे मैच-** भारत में सीरीज के मुकाबलों का टीवी पर सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। वहीं मोबाइल, लैपटॉप और स्मार्ट टीवी पर मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार के जरिए देखी जा सकेगी।

नागोया में भारत की पदक तालिका तेजी से इजाफा एशियन गेम्स- भारत को 4 गुना400 मीटर मिक्स्ड रिले में सिल्वर:सीमा ने 10 हजार मीटर में ब्रॉन्ज जीता

नागोया, एजेंसी। भारत ने एशियन गेम्स-2026 में दूसरा स्वर्ण पदक जीत लिया है। शुक्रवार को सुरुचि सिंह और कमलजीत की भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में 484.6 अंक के एशियाई रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत का पहला स्वर्ण महिला क्रिकेट टीम ने जीता था। उसने श्रीलंका को हराकर टी-20 क्रिकेट का स्वर्ण अपने नाम किया था। इस बीच भारत की पदक तालिका में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। पांचवें दिन भारत ने पांच पदक जीते, जिनमें दो रजत और तीन कांस्य शामिल थे इसके बाद 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में सुरुचि सिंह और कमलजीत ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत की पदक संख्या 19 पहुंचा दी। अब भारत के खाते में 2 स्वर्ण, 8 रजत और 9 कांस्य पदक हैं।

सुबह के मुकाबलों में टेबल टेनिस और स्कॉश में भारतीय जोड़ियों ने सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्का किया है। दीया चिताले-मनुष शाह ने हांगकांग की जोड़ी को 3-1 से हराकर मिश्रित युगल के अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने फिलीपींस की जोड़ी को 11-3, 11-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्विमिंग में साजन प्रकाश ने पुरुषों की 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने हीट में 2:00.94 का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। अब भारत की नजरे दिन के बाकी मुकाबलों पर हैं, जहां पदकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

एशियन गेम्स में भारत ने एथलेटिक्स के 4गुना 400 मीटर मिक्स्ड रिले में सिल्वर मेडल जीता। मनु टीएस,



पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और वित्था रामराज की टीम ने 3 मिनट, 14.46 सेकेंड में रस पूरी की। इससे पहले सीमा कुमारी ने विमेंस 10 हजार मीटर में 32 मिनट, 50.05 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता। यह इस इवेंट में भारत का 2010 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल है। अनंतजीत सिंह नारुका और परिनाज धालीवाल ने मिक्स्ड स्कीट में ब्रॉन्ज जीता। दोनों 48 शॉट के बाद 44 अंक पर थे और टाई-ब्रेकर के बाद ब्रॉन्ज मिला। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुषों की डबल स्कल्स में ब्रॉन्ज जीता। भारतीय जोड़ी ने 6:13.25 का समय निकाला। यह इस इवेंट में भारत का एशियन गेम्स का पहला मेडल है।

एथलेटिक्स में बाकी नतीजे

आशा इलांगो 13.83 मीटर की छलांग के साथ विमेंस

ट्रिपल जंप में चौथे स्थान पर रहीं। उनका यह प्रदर्शन ब्रॉन्ज जीतने वाली चीन की ली यी के बराबर था, लेकिन सेकेंड बेस्ट जंप में ली यी आगे रहीं। निहारिका वशिष्ठ 10वें स्थान पर रहीं। 100 मीटर में अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। अनिमेष ने 10.36 सेकेंड के साथ हीट में तीसरा और गुरिंदरवीर ने 10.38 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

बॉक्सिंग और फेंसिंग में हार मिली

साक्षी चौधरी को 51 किग्रा में कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा ने 3-2 से हराया। सुमित कुंडू 70 किग्रा मुकाबले में चोट के कारण इराक के अली कासिम हमदान अल-सरे से हार गए। फेंसिंग में भवानी देवी और श्रेया गुप्ता भी राउंड ऑफ-16 में हारकर बाहर हुईं।

गुस्से में लिए फैसलों से वक्त के पहले समाप्त हुआ रायुड़ का कैरियर



के रूप में उनकी क्षमता पर कभी सवाल नहीं उठाया गया। वह एक बेहतरीन क्रिकेटर थे, जिनमें भारत के लिए लंबा खेलने की काबिलियत थी। उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ शायद 2019 एकदिवसीय विश्व कप टीम का चयन रहा। मध्यक्रम में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जा रहे रायुड़ को अचानक टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह ऑलराउंडर विजय शंकर को मौका मिला।

हैदराबाद (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुड़ भारतीय टीम के एक ऐसे बल्लेबाज रहे हैं। जो बेहद प्रतिभाशाली थे पर अपने मिजाज गर्म के कारण और अप्रत्याशित फैसलों से उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। भारतीय क्रिकेट इतिहास में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे होंगे, जिनकी पहचान उनके खेल के साथ-साथ उनके बागी तेवरों के लिए भी बनी हो और उनमें से अंबाती रायुड़ एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई बार अपने गुस्से और जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से अपने ही करियर को नुकसान पहुंचाया। क्रिकेट के खेल में संयम का बहुत महत्व होता है, और रायुड़ के करियर को देखकर यह बात बखूबी समझी जा सकती है। कभी बीसीसीआई से पंगा, कभी विश्व कप टीम से बाहर होने पर तत्काल संन्यास का ऐलान, और कभी-कभी मैदान के बाहर भी गुस्से में आकर विवादों में गिरना। ये सभी घटनाएं उनके नाम के साथ जुड़ गईं। हालांकि, इन विवादों के बावजूद, एक बल्लेबाज जोड़ने में 6:13.25 का समय निकाला। यह इस इवेंट में भारत का एशियन गेम्स का पहला मेडल है।

रंगा संभार

वाइब में की है अलग दिशा में एंटरटेन करने की कोशिश: कुणाल खेमु



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड की कॉमेडी, एक्शन और जासूसी थ्रिलर फिल्म वाइब रिलीज हो चुकी है। अभिनेता कुणाल खेमु ने इस फिल्म के जरिए एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग और प्रोड्यूसिंग जैसे कई क्षेत्रों में हाथ आजमाया है। कुणाल खेमु ने फिल्म की रिलीज के बाद एक इमोशनल पोस्ट साझा किया है,

जिसमें उन्होंने अपने प्रशंसकों और टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। अभिनेता का मानना है कि इस फिल्म के जरिए उन्होंने सभी को अलग दिशा में एंटरटेन करने की कोशिश की है। कुणाल खेमु ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सीन्स को शेयर किया है, जिसमें फिल्म का गाना वाइब भी ऐड किया गया है। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, हार्दिक (कुणाल खेमु के किरदार का नाम) की शुभकामनाएं। अपनी पूरी टीम के साथ आने और माहौल बनाने के लिए दिल से शुक्रिया। अगर अभी तक किसी ने फिल्म नहीं देखी है, तो अपने प्लान में इसे जरूर शामिल करें और साथ मिलकर हम करेंगे और कर सकते हैं (थोड़ा मेटा है, समझने वाले समझ जाएंगे)। यह संदेश उनकी टीम वर्क और भविष्य के लिए उनकी आशा को दर्शाता है। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए कुछ अलग करने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा, कुछ अलग और नया करने की ये एक जनी रही है। एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग, प्रोड्यूसिंग। यकीन मानिए, मुझे आगे बढ़ाने वाली सिर्फ एक चीज है- फिल्मों के लिए मेरा कभी न खत्म होने वाला प्यार और आप सभी का शानदार प्यार और सपोर्ट जो आप हमेशा दिखाते आए हैं।

वहीदा रहमान बनेगी पुतलीबाई

मुंबई (यशभारत)। फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा एक ऐसी कहानी को पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं, जो महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण और कम चर्चित दौर पर आधारित है। इस फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी की भूमिका निभा रहे हैं। अब हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गई हैं, जहां वह गांधीजी की मां पुतलीबाई का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म की कहानी महात्मा गांधी के जीवन के उन 21 दिनों पर केंद्रित है, जिन्हें इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में पुतलीबाई का किरदार कहानी में भावनात्मक स्तर पर खास महत्व रखता है। मेकर्स का मानना है कि वहीदा रहमान जैसी अनुभवी अभिनेत्री की मौजूदगी इस किरदार को और गहराई देगी।

आज ही को अपना पहला दिन बनाएं- कृति सेनन

इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट पोस्ट में मिमी फेम एक्ट्रेस कृति सेनन को पॉटरी (मिट्टी के बर्तन बनाने) की कला सीखते हुए देखा गया। अभिनेत्री ने अपनी बकेट लिस्ट से एक और चीज पूरी कर ली है, जिसे वह सालों से सीखना चाहती थीं। अभिनेत्री कृति सेनन ने फोटो-शेयरिंग ऐप पर एक प्रेरणादायक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, वह चीज जिसे आप सालों से करना या सीखना चाहते थे, जो हमेशा आपकी इस साल मुझे ये चीजें करनी हैं वाली लिस्ट में तो होती थी, लेकिन आपने उसके लिए कभी समय नहीं निकाला किसी दिन कहने के बजाय, आज ही को अपना पहला दिन (डे वन) बनाएं। मेरी लिस्ट में पॉटरी भी शामिल थी! नई स्किल सीखने की खुशीज कुछ अलग ही होती है! कांटेले 2 एक्ट्रेस ने अपनी पोस्ट का अंत यह कहते हुए किया कि उन्हें लगातार खुद को बेहतर बनाते रहना पसंद



है! कृति को हमेशा अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना और नई चीजें आजमाना पसंद है। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने अपनी बकेट लिस्ट से कोई बड़ा सपना पूरा किया है। 2023 में, उन्होंने स्काईड्राविंग में हाथ आजमाया और अपनी बकेट लिस्ट से एक और चीज पूरी की

थी। वह अपनी बहन नूपुर सेनन के साथ दुबई गई थीं, जहाँ दोनों बहनों ने स्काईड्राविंग करने का फैसला किया था। कृति ने अपना अनुभव इंटरनेट पर शेयर करते हुए अपने ऑफिशियल हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया था। वीडियो की शुरुआत में उन्होंने कहा था, हाँ, अभी पेट में थोड़ी घबराहट (बटरफ्लाइज) हो रही है। इसके बाद, लुका छुपी की एक्ट्रेस ने आसमान में डूबव का खूब मजा लिया। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कैसा लगा, तो कृति ने कहा था, बहुत अच्छा! यह बिल्कुल बाढ़दा पंछी जैसा महसूस हो रहा है। इस रोमांचक वीडियो का कैप्शन था, अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकल रही हूँ।



फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था: आयुष्मान



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने बताया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से प्रेम 1994 की फिल्म हम आपके हैं कौन देखने के बाद हुआ था। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा, मुझे याद है कि मैंने हम आपके हैं कौन में कई परिवार थे और उस फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था, मुझे हिंदी सिनेमा और हमारे परिवार की ताकत से प्रेम हो गया था। अभिनेता आयुष्मान ने यह भी बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वे राजश्री प्रोडक्शन के हीरो बन गए हैं, जो उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह बयान राजश्री फिल्मों के उनके व्यक्तिगत प्रभाव और भारतीय पारिवारिक मूल्यों के प्रति उनके जुड़ाव को दर्शाता है। अभिनेता ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा कि यह रिश्ता सिर्फ उनका नहीं बल्कि, पूरे देश के परिवारों से जुड़ा है। उन्होंने कहा, राजश्री के साथ मेरा जो रिश्ता है, वो सिर्फ मेरा नहीं है, वो पूरे हिंदुस्तान का है, सभी परिवारों का है। सभी परिवारों को एक साथ लाने की जो जिम्मेदारी उन्होंने फिल्मों के जरिए उठाई है, मुझे लगता है यह बहुत ही खूबसूरत है। आयुष्मान का यह कथन राजश्री फिल्मों के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है। आयुष्मान खुराना ने डायरेक्टर सूरज बड्जात्या से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया, जो उनकी विनम्रता और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

कुछ नया सीखने का सिलसिला कभी नहीं रुकता : अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन ने मेडिकल साइंस की बारीकियों और नैतिकता की परीक्षाओं से लेकर संगीत की असीम दुनिया तक उन कई सीखों को याद किया जो ज़िंदगी हमें देती रहती है। हिंदी सिनेमा के सुपर स्टार ने कहा कि हर दिन केबीसी के दायरे और जिंदगी के दायरे में कुछ नया सीखने को मिलता है, जो उनके लिए कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है।

स्टार ने अपने ब्लॉग पर लिखा- हर दिन कुछ नया सीखनाज कुछ दूसरों के बारे में, लेकिन ज्यादातर अपने बारे मेंज हम कौन हैं, क्या हैं और कहाँ हैंज और सीखने का सिलसिला कभी नहीं रुकता। मेडिकल साइंस की पेचीदगियाँ, ज्ञान की विविधता, नैतिकता की परीक्षाएं और हर दिन कुछ नया सीखना। सिर्फ केबीसी के दायरे में ही नहीं, बल्कि जिंदगी के दायरे में भी। यह दिखाता है कि अमिताभ बच्चन सिर्फ एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि एक आजीवन विद्यार्थी भी हैं जो हर पल कुछ न कुछ सीखते रहते हैं। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने संगीत के बारे में विशेष रूप से बात की। उन्होंने कहा, और फिर संगीत है जो कभी खत्म नहीं होता, कभी माफ नहीं करता, कभी रोकता नहीं, लेकिन हर पल एक चुनौती पेश करता है -



बच्चन का सहज और ज्ञानवर्धक अंदाज़ ही इस शो की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण है। बिग बी, जिन्हें आखिरी बार टी. जे. ज्ञानवेल की फिल्म वेड्डेयन में देखा गया था, वे नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म रामायण-पार्ट 1 में नज़र आएंगे। इस फिल्म में यश, रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और सनी देओल भी होंगे।



चेस ओलिंपियाड: भारत का टॉप पर पहुंचने का मौका छूटा

अजरबैजान ने 2-2 पर रोका, विमेंस में सविता श्री ने लगातार 7वां मैच जीता

समरकंद, एजेंसी। समरकंद में चल रहे 46वें स्रष्टृश्च चेस ओलिंपियाड के 8वें राउंड में डिफेंडिंग चैंपियन भारत की मेंस और विमेंस टीम को ड्रा से संतोष करना पड़ा। मेंस कैटेगरी में भारत को अजरबैजान ने 2-2 से रोका। विमेंस कैटेगरी में भी कजाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला 2-2 से बराबर रहा। भारत की मेंस टीम के पास टॉप पर पहुंचने का मौका था, लेकिन ड्रा के कारण यह मौका छूट गया।

वहीं, विमेंस में कजाकिस्तान के खिलाफ ड्रा के बाद भारतीय टीम दूसरे स्थान पर खिसक गई है, जबकि चीन की टीम अकेले शीर्ष पर पहुंच गई है।

गुकेश जीत के करीब पहुंचे, लेकिन बाजी ड्रॉ रही

अजरबैजान के खिलाफ भारत के आर. प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगेसी, डी. गुकेश और विदित गुजरती चारों अपनी बाजियां ड्रॉ खेले। गुकेश ने तीसरे बोर्ड पर सफेद मोहरों से मारदली महम्मद के खिलाफ अच्छी स्थिति बनाई थी। हालांकि, अजरबैजान के खिलाड़ी ने सटीक बचाव किया और 56 चाल के बाद बाजी ड्रॉ रही। आर. प्रज्ञानानंद को अनुभवी शाखरियार मामेद्यारोव ने ड्रॉ पर रोका। अर्जुन एरिगेसी और आर्यादिन सुलेमानली के बीच भी बाजी बराबर रही। विदित गुजरती ने रऊफ मामेदेव के खिलाफ ड्रॉ खेला।

जर्मनी ने उज्बेकिस्तान को हराकर टॉप की रेस रोचक की

जर्मनी ने दिन का बड़ा उलटफेर करते हुए टेबल टॉपर उज्बेकिस्तान को 2.5-1.5 से हरा दिया। फेडरिक स्वाने और रासमस स्वाने ने जर्मनी को जीत दिलाई। उज्बेकिस्तान के लिए जवोहिर् सिंदारोव ने जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में अपना अजेय अभियान जारी रखा।

8वें राउंड के बाद उज्बेकिस्तान और जर्मनी 14-14 मैच पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। भारत, चीन, नीदरलैंड्स और अमेरिका समेत 8 टीमों 13-13 पॉइंट के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। अब सिर्फ 3 राउंड बाकी हैं।।

